छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

www.cgfrontline.com

वर्ष - 06 अंक - 288 बैकुंठपुर, मंगलवार 25 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

गौठान से यूसीसी तक सियासी घमासान

मंत्री राजेश अग्रवाल और पूर्व मंत्री अमरजीत में तीखी बहस

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ में गौठान व्यवस्था से लेकर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) तक सियासत गरमा गई है। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के आरोपों पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने पलटवार किया है, जिससे सरकार और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं।

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि गौठानों की दुर्दशा के कारण मवेशी सड़कों पर आ गए हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने सरगुजा का उदाहरण देते हुए कहा कि एक पंचायत के लोग मवेशियों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए, क्योंकि सुनने वाला कोई नहीं है। कांग्रेस सरकार की गोबर खरीदी योजना बंद करने से ग्रामीणों को नुकसान हुआ है।

इस पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस ने गौठान तो बनाए लेकिन संचालन, रखरखाव और चारे के लिए वित्तीय प्रावधान नहीं किया। वर्तमान सरकार गौठानों को व्यवस्थित कर सुविधाएं बढ़ाने पर काम कर रही है।

यूसीसी पर टकराव

यूसीसी को लेकर भगत ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि इससे जनता को क्या लाभ मिलेगा। भाजपा चुनावी राज्यों में यूसीसी और एसआईआर जैसे मुद्दे उछालती है और बाद में भूल जाती है, यह अल्पसंख्यकों को परेशान करने वाला है। मंत्री अग्रवाल ने जवाब में कहा कि कांग्रेस हर सकारात्मक पहल का विरोध करती है। पीएम मोदी की योजनाओं का लाभ जनता को मिला है। प्रदेश में यूसीसी लागू होगा और इससे लोगों को फायदा होगा।

सड़कों की मरम्मत का दावा

खराब सड़कों पर मंत्री ने कहा कि ज्यादा खराब सड़कों के टेंडर पूरे हो चुके हैं। पिछले साल डामर के दाम बढ़ने से ठेकेदारों ने काम रोक दिया था। बारिश थमते ही मरम्मत शुरू होगी। अगले 4 से 6 महीने में काम शुरू करने का लक्ष्य है, अंबिकापुर-रायगढ़ रोड सहित कई बड़े टेंडर हो चुके हैं।

नक्सलवाद पर बयानबाजी

भूपेश बघेल के बयान पर मंत्री ने कहा कि डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में नक्सल क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा मजबूत हुई। वर्तमान सरकार के गृह विभाग और सुरक्षा बलों ने अभियान तेज किया है और प्रदेश नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ रहा है।

फर्जी टोल फ्री नंबर से ठगी पर अलर्ट

पर्यटन विभाग के नाम पर फर्जी टोल फ्री नंबर से ठगी पर मंत्री ने कहा कि शिकायत मिलते ही कार्रवाई की गई है। विभाग ने आधिकारिक टोल फ्री नंबर जारी किया है। साइबर सेल को जानकारी दी गई है और ठगों पर कार्रवाई होगी। पर्यटकों से अधिकृत नंबरों का ही उपयोग करने की अपील की गई है।

मॉडिफाई बुलेट के चालक ने मासूम को मारी टक्कर, आरोपी भागा

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधी चौक में एक बेलगाम और संदिग्ध मॉडिफाई बुलेट के चालक ने बच्चे को टक्कर मार दी। हादसे में बच्चे का कान कट गया और पैर में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद बुलेट वाहन छोड़कर सवार मौके से फरार हो गया। बुलेट के नंबर प्लेट के ऊपर काला स्टीकर चिपका कर नंबर को छिपाया गया है, जिससे संदेह की स्थिति बनी हुई है। बुलेट में तेज आवाज वाला साइलेंसर लगा है। मौके पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मियों ने बताया कि उक्त बुलेट सवार यातायात जवानों को कई बार चकमा देकर तेज रफ्तार और पटाखे जैसी आवाज निकालते हुए चौक से निकल जाता था। पुलिस कई बार उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह तेज गति के कारण हाथ नहीं आता था, वहीं नम्बर प्लेट में स्टीकर लगे रहने के कारण उक्त वाहन का नंबर भी पता नहीं चल पा रहा था। बीते दिवस गांधी चौक की भीड़-भाड़ के बीच एक छोटे बच्चे को चपेट में लेने के बाद वह फरार हो गया। घायल बच्चे को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस की तमाम कार्रवाई के बाद भी मॉडीफाई सायलेंसर लगे बुलेट वाहनों में सवार धड़ल्ले से घूम रहे हैं, ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। ऐसे वाहन आम लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं।

नवनियुक्त जिला पंचायत सीईओ ने किया मलगवांखुर्द का आकस्मिक निरीक्षण

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा रोमा श्रीवास्तव ने सोमवार को जनपद पंचायत अंबिकापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मलगवांखुर्द का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गांव में संचालित एवं निर्माणाधीन विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत निर्माणाधीन आवासों के साथ वीबी जी राम जी योजना अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन एवं पीडीएस (उचित मूल्य दुकान) भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, उपयोग की जा रही सामग्री तथा कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कॉन्सेप्ट के अनुरूप बने आकर्षक आंगनबाड़ी भवन

आंगनबाड़ी भवन के निरीक्षण के दौरान सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने बिल्डिंग एज लर्निंग ऐड कॉन्सेप्ट के अनुरूप भवन निर्माण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों के बैठने का स्थान न होकर उनके सीखने और विकास का अनुकूल वातावरण होना चाहिए। उन्होंने भवन में बच्चों की आयु एवं रुचि के अनुरूप शैक्षणिक एवं आकर्षक चित्रकारी, सीखने में सहायक आकृतियों तथा बाल-उपयोगी सुविधाओं को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करते हुए भवन को आकर्षक, सुरक्षित एवं बच्चों के लिए उपयोगी बनाया जाए, ताकि आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर मिल सके।

अपूर्ण पीएम आवास शीघ्र पूर्ण किए जाएं

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत निर्माणाधीन एवं अपूर्ण आवासों का निरीक्षण करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित सचिव एवं रोजगार सहायक को निर्देशित किया कि प्रत्येक अपूर्ण आवास की स्थिति की जानकारी लेकर हितग्राहियों से संपर्क किया जाए तथा उन्हें आवास निर्माण पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर मिले, यह सुनिश्चित करना मैदानी अमले की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आवास निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

पीडीएस भवन का कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पूर्ण करें

जिला पंचायत सीईओ सुश्री श्रीवास्तव ने निर्माणाधीन पीडीएस भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी अमले को कार्य में आवश्यक तेजी लाने तथा निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कार्य को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

मैदानी स्तर पर योजनाओं की प्रभावी निगरानी पर जोर

आकस्मिक निरीक्षण के दौरान सीईओ ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए मैदानी स्तर पर नियमित निगरानी आवश्यक है। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति का लगातार निरीक्षण करने तथा कार्यों में आने वाली समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में सामान्य से 7 प्रतिशत कम बारिश, सरगुजा जिले में सबसे ज्यादा -42% की कमी

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन अब तक सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक 795 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य औसत 857.1 मिमी है, यानी पूरे प्रदेश में -7त्न की कमी है, लेकिन सबसे चिंताजनक स्थिति सरगुजा संभाग की है। सरगुजा जिले में सामान्य 883.7 मिमी की तुलना में अब तक सिर्फ 514.1 मिमी बारिश हुई है, जो -42त्न का बड़ा डेफिसिट है। यह प्रदेश के सभी जिलों में सबसे कम बारिश वाला जिला है।

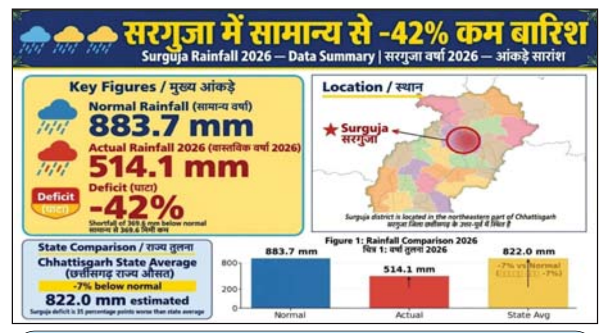

कहां ज्यादा, कहां कम बारिश-मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा बारिश सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1017 मिमी (+49त्न अधिक), बलरामपुर में 1027.6 मिमी (+43त्न), मुंगेली में 949.5 मिमी (+34त्न) और नारायणपुर में 1087.8 मिमी (+18त्न) दर्ज की गई है। वहीं सबसे कम बारिश वाले जिले में सरगुजा -42त्न, बेमेतरा -41त्न, जशपुर -35त्न,- बस्तर -21त्न, कोंडागांव -20त्न शामिल हैं। सरगुजा के साथ-साथ कोरिया में -18त्न, रायगढ़ में -8त्न और बलौदाबाजार, बालोद, जांजगीर जैसे जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। यह स्थिति सरगुजा और कम बारिश वाले क्षेत्रों के किसानों के लिए चिंतित करने वाला है।

शासकीय प्राथमिक शाला परसाडांड के प्रधान पाठक निलंबित

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला परसाडांड, विकासखंड बतौली के प्रधान पाठक मंगलेश्वर राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई विद्यालय में अनधिकृत अनुपस्थिति, न्यून उपस्थिति तथा प्रधान पाठक के दायित्वों के अपेक्षित निर्वहन में प्रथमदृष्टया गंभीर शिथिलता एवं लापरवाही पाए जाने के आधार पर की गई है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार मंगलेश्वर राम 13 अक्टूबर 2008 से उक्त विद्यालय में प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ हैं। विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति अत्यंत न्यून पाई गई। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में दर्ज 20 विद्यार्थियों में से केवल 13 विद्यार्थी उपस्थित मिले। जांच में विद्यालयीन उपस्थिति एवं कर्तव्य निर्वहन को लेकर गंभीर प्रश्न भी सामने आए। कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाने के बावजूद पुनः शिकायत प्राप्त होने तथा जांच में विद्यालयीन उपस्थिति एवं कर्तव्य निर्वहन के संबंध में प्रतिकूल तथ्य पाए जाने पर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंगलेश्वर राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, मैनपाट, जिला-सरगुजा निर्धारित किया गया है। इस अवधि में वे सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

शेयर करेंसी में पैसा डबल करने का झांसा देकर 8.50 लाख की ठगी, बिहार से तीसरा आरोपी गिरफ्तार

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर/प्रतापपुर। शेयर करेंसी में निवेश पर पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 8 लाख 50 हजार की ठगी के मामले में चौकी रेवटी पुलिस ने तीसरे आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया है। पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है।

मामला 27 फरवरी 2023 का है। ग्राम गोवर्धनपुर निवासी सुनील पाण्डेय ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि तीन लोग स्विफ्ट डिजायर कार से उसकी दुकान पर आए और शेयर करेंसी में पैसा डबल करने का लालच दिया। पहले उससे 10 हजार रुपये लिए और अगले दिन 20 हजार वापस कर दिए। इससे पीड़ित का भरोसा जीत लिया। इसके बाद आरोपियों ने 10 लाख तक निवेश पर 2 से 4 दिन में रकम दोगुनी करने का लालच दिया। पीड़ित ने 8.50 लाख की व्यवस्था कर उन्हें दी। आरोपी 8.50 लाख लेकर उसे खाकी रंग का बंद पैकेट थमा गए, जिसमें 17 लाख होने और बाद में 3 लाख वापस ले जाने की बात कही। आरोपियों के जाने के बाद पैकेट खोलने पर अंदर नोटों के आकार के सादे कागज के बंडल मिले। जांच में पता चला कि वारदात में इस्तेमाल सिम फर्जी दस्तावेजों पर लिया गया था। मोबाइल दुकान संचालक अमरेश मिश्रा वाराणसी ने दस्तावेजों का दुरुपयोग कर सिम आरोपी राजेश सिंह वाराणसी को दिया था। दोनों को पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार भी जब्त की थी। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी शाहजाद अंसारी (29) पिता स्व. युसुफ अंसारी निवासी शाही सराय, थाना कुदरा, जिला कैमूर, बिहार में है। चौकी रेवटी टीम ने बिहार में दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया।

कार्रवाई एसपी सूरजपुर योगेश कुमार पटेल के निर्देश, एएसपी योगेश देवांगन और एसडीओपी अनूप एक्का के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक शिव राजवाड़े, आरक्षक मनरूप पैंकरा और अशोक राजवाड़े ने की।

टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों में पदोन्नति को लेकर हल्ला बोला

धरना देकर संयुक्त संचालक कार्यालय को दिया अंतिम अल्टीमेटम

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। टीईटी उत्तीर्ण सहायक शिक्षकों की पदोन्नति में हो रही देरी को लेकर टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के बैनर तले शिक्षकों ने संयुक्त संचालक कार्यालय में धरना देकर हल्ला बोला और सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक को अंतिम चेतावनी पत्र सौंपा है। संघ ने कहा है कि अगर आज ही वरिष्ठता सूची जारी कर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी नहीं की गई तो संभाग स्तर पर उग्र आंदोलन और घेराव किया जाएगा।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश मिश्रा द्वारा 24 अगस्त को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख है कि संचालक लोक शिक्षण संचालनालय के 10 अगस्त के वीसी में दिए निर्देश अनुसार पदोन्नति की संपूर्ण प्रक्रिया 15 अगस्त 2026 तक पूर्ण की जानी थी। संगठन द्वारा 14 जुलाई, 11 अगस्त और 20 अगस्त को ज्ञापन देने के बावजूद संयुक्त संचालक कार्यालय सरगुजा द्वारा आज तक टीईटी उत्तीर्णता अर्हता को दर्शाते हुए अंतिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन नहीं किया गया है। विभाग की इस लापरवाही से पात्र शिक्षकों में भारी आक्रोश है। संघ की 4 प्रमुख मांगों में अंतिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन करना, पदोन्नति प्रस्ताव तैयार करना, पदोन्नति प्रक्रिया की समय-सारणी तैयार करना है, जिसमें डीपीसी की तिथि, पदोन्नति आदेश जारी करने की तिथि एवं काउंसिलिंग की तिथि का उल्लेख हो। इसके अलावा 06 अगस्त को जारी स्थानांतरण आदेशों के फलस्वरूप रिक्त हुए सभी पदों को पदोन्नति गणना में शामिल करके शालावार जानकारी सार्वजनिक करना शामिल है। संघ ने चेतावनी दी है कि, यदि आज ही वरिष्ठता सूची जारी कर निर्धारित तिथि तक पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए गए तो किसी भी अप्रिय स्थिति एवं शैक्षणिक कार्य में होने वाले व्यवधान की संपूर्ण जिम्मेदारी संयुक्त संचालक कार्यालय की होगी।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा की जिला स्तरीय रैली आज

शिक्षक हितों से जुड़ी पांच प्रमुख मांगों को लेकर शिक्षक संघर्ष मोर्चा, सरगुजा द्वारा 25 अगस्त को जिला स्तरीय शिक्षक रैली का आयोजन किया जा रहा है। मोर्चा के जिला संचालक कमलेश सिंह ने बताया कि लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह रैली आयोजित की जा रही है। मोर्चा की 5 प्रमुख मांगों में टेट की अनिवार्यता समाप्त करना, पुरानी सेवा की गणना कर पेंशन का अधिकार देना, वेतन विसंगति दूर करना, त्रुटिपूर्ण पदोन्नति नियम निरस्त करना और बीएड हेतु विभागीय ब्रिज कोर्स कराना शामिल है। यह रैली 25 अगस्त को दोपहर 12.30 बजे कलाकेंद्र मैदान, अंबिकापुर से निकाली जाएगी, जिसमें जिले भर के हजारों शिक्षक शामिल होंगे।

बोलेरो वाहन की ठोकर से घायल सीआरपीएफ के जवान की मौत

चार दिनों तक जिंदगी से जंग के बाद वृद्ध महिला की मौत

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बोलेरो वाहन की ठोकर से सीआरपीएफ के जवान की मौत हो गई। जवान एक माह की छुट्टी लेकर घर आया था। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, जशपुर जिले के सन्ना थाना अंतर्गत ग्राम धसमा, चौकी सोनक्यारी निवासी फ्रेंडिक जोन एक्का पिता स्व. बरथोलोमिस एक्का 45 वर्ष, सीआरपीएफ के 133 बटालियन, हेडक्वार्टर रांची के अधीन कार्यरत था। वर्तमान में उनकी पदस्थापना मणिपुर में थी। 23 अगस्त को वह मनोरा से अपने गृहग्राम धसमा स्कूटी वाहन से जाने निकला था। इसी दौरान ग्राम टेम्पू के पास स्कूटी वाहन को सामने से आ रही बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 04 एचएम 8746 के चालक ने ठोकर मार दिया, जिसमें उन्हें सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट आई थी। बोलेरो के चालक ने घायल सीआरपीएफ के जवान को निजी पिकअप वाहन से मनोरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने जवान को रेफर कर दिया। इसकी सूचना घायल जवान की शासकीय माध्यमिक शाला कांसाबेल में शिक्षिका के पद पर पदस्थ पत्नी सुधा एक्का को मोबाइल फोन पर मिली और एम्बुलेंस से घायल पति को लेकर जिला अस्पताल जशपुर पहुंचीं। यहां से भी चिकित्सक ने जांच के बाद घायल जवान की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए रिफर कर दिया। स्वजन संजीवनी 108 एम्बुलेंस से घायल को मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 23 अगस्त को जवान की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

बोलेरो वाहन की ठोकर से घायल सीआरपीएफ के जवान की मौत

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बोलेरो वाहन की ठोकर से सीआरपीएफ के जवान की मौत हो गई। जवान एक माह की छुट्टी लेकर घर आया था। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, जशपुर जिले के सन्ना थाना अंतर्गत ग्राम धसमा, चौकी सोनक्यारी निवासी फ्रेंडिक जोन एक्का पिता स्व. बरथोलोमिस एक्का 45 वर्ष, सीआरपीएफ के 133 बटालियन, हेडक्वार्टर रांची के अधीन कार्यरत था। वर्तमान में उनकी पदस्थापना मणिपुर में थी। 23 अगस्त को वह मनोरा से अपने गृहग्राम धसमा स्कूटी वाहन से जाने निकला था। इसी दौरान ग्राम टेम्पू के पास स्कूटी वाहन को सामने से आ रही बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 04 एचएम 8746 के चालक ने ठोकर मार दिया, जिसमें उन्हें सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट आई थी। बोलेरो के चालक ने घायल सीआरपीएफ के जवान को निजी पिकअप वाहन से मनोरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने जवान को रेफर कर दिया। इसकी सूचना घायल जवान की शासकीय माध्यमिक शाला कांसाबेल में शिक्षिका के पद पर पदस्थ पत्नी सुधा एक्का को मोबाइल फोन पर मिली और एम्बुलेंस से घायल पति को लेकर जिला अस्पताल जशपुर पहुंचीं।

देवगढ़ धाम में चौथे सावन सोमवार भी हुआ महारुद्राभिषेक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्रावण मास के अवसर पर जमदग्नि ऋषि की तपोभूमि देवगढ़ धाम स्थित अर्धनारीश्वर शिवलिंग में लगातार चौथे सावन सोमवार को भी विशेष पूजा-अर्चना, महारुद्राभिषेक एवं सहस्त्रार्चन का आयोजन किया गया। राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के सदस्य सुभाष गोयल एवं उनके अनुज विजय गोयल द्वारा भक्तिभाव के साथ भगवान भोलेनाथ का गन्ने के रस, सरसों तेल एवं गंगाजल से महारुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान लाखों की संख्या में बेलपत्र, समीपत्र, पुष्प, काली तिल, जौ, मूंग दाल, अखंड अक्षत सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों से भगवान अर्धनारेश्वर शिवलिंग का सहस्त्रार्चन किया गया। पूजा-अर्चना पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अनुष्ठान में पीआरए ग्रुप से बजरंग लाल अग्रवाल, अंबिकापुर निवासी रामचंद्र अग्रवाल, रमेश दनोदिया, पार्षद चन्दन सिंह, मोहन लाल अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल विशेष रूप से शामिल हुए। देवगढ़ धाम में भक्तिमय वातावरण के बीच भगवान भोलेनाथ के जयकारे गूंजते रहे। आयोजन को सफल बनाने में नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, पार्षद बृजेन्द्र सिंह व संतोष जायसवाल, रमेंद्र सिंह उर्फ नूनू सिंह, लखन सोनी, मोनी बाबा, श्रीराम पांडेय, सुरेश पांडेय, गौरव गोयल, शानू सिंह, नीरज गोयल सहित अन्य शिवभक्त सक्रिय रहे।

सड़कों के गड्ढे तत्काल भरें, आवश्यक स्थानों पर लगाएं चेतावनी संकेत

नक्सल पीड़ित महिलाओं को आजीविका से जोड़कर बनाएं आत्मनिर्भर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सड़क, खाद-बीज, यातायात, सुपोषण, शिक्षा, आजीविका, एग्रीस्टेक, डीजिटल क्रॉप सर्वे सहित विभिन्न जनकल्यणकारी योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। लंबित आवेदनों को प्राथमिकता से निराकृत करते हुए सभी विभाग नियमित समीक्षा कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने समितिवार खाद-बीज की उपलब्धता, उठाव एवं वितरण की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि समितियों में खाद उपलब्ध होने के बावजूद किसानों को इसका लाभ नहीं मिलना गंभीर कोताही है। समितियों में आवश्यक व्यस्था सुनिश्चित कर तत्काल वितरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समितियों का संचालन नियमित एवं समय पर हो तथा किसानों को खाद-बीज के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने किसानों को आवश्यकता के अनुरूप समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने और पूरी व्यवस्था की सतत निगरानी के निर्देश दिए।

जिले की सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एनएच एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को खराब सड़कों एवं गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सेमरसोत मार्ग को भी दुरुस्त करने को कहा। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जहां गड्ढे, क्षतिग्रस्त सड़क अथवा दुर्घटना की संभावना वाले स्थान हैं, वहां तत्काल आवश्यक साइन बोर्ड एवं चेतावनी संकेत लगाए जाए। उन्होंने सभी आवश्यक सुधार एवं सुरक्षा कार्य पूर्ण कर कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

यातायात सुरक्षा एवं आमजन की सुविधा के दृष्टिगत कलेक्टर त्रिपाठी ने जिला परिवहन अधिकारी को सार्वजनिक स्थलों एवं हाट-बाजारों में भी हेलमेट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों को आसानी से हेलमेट खरीदने की सुविधा मिले, ताकि दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट के नियमित उपयोग को बढ़ावा मिले और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो।

कलेक्टर ने कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा निर्धारित पोषण आहार एवं रेडी-टू-ईट का समय पर वितरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पोषण आहार की गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी करने को कहा। उन्होंने घरों में डोर-टू-डोर विजिट कर उनकी स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति की जानकारी लेने तथा अतिरिक्त पोषण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एनीमिक गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं उपलब्ध कराने को कहा। कलेक्टर ने एक पौधा बेटी के नाम चंदन एवं मुनगा पौधरोपण को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में रीडिंग कॉर्नर को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों में पढ़ने एवं भाषा कौशल के विकास के लिए प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट पढ़ने का अभ्यास कराया जाए। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्यालयों का फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी मौके पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लें और कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी निरीक्षण कर विजिट की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत कलेक्टर त्रिपाठी ने नक्सल पीड़ित महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं को उनकी रुचि एवं स्थानीय संसाधनों के अनुरूप स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण एवं आयमूलक गतिविधियों से जोड़ें। पात्र महिलाओं को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाते हुए स्थायी आय के साधनों से जोड़ने के लिए विभागीय समन्वय से कार्य करें।उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल सहायता उपलब्ध कराने तक सीमित न रखते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस एवं परिणाममूलक प्रयास करें।

कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे की समीक्षा करते हुए सभी ग्राम पंचायतों में कार्य शीघ्र प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। इस दौरान उन्होंने शेष किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन पूरा कराने के लिए डोर-टू-डोर विजिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंजीयन से शेष किसानों से संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराएं ताकि कोई भी किसान शासन की योजना का लाभ लेने से वंचित न हो।

बैठक जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर आर. एस. लाल, चेतन बोरघरिया, प्रमोद गुप्ता सहित अनुविभागीय अधिकारी, विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्रावण के अंतिम सोमवार को शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को पूरा कोयलांचल क्षेत्र भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आया। सुबह से ही नगर समेत आसपास के ग्रामीण अंचलों में स्थित शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने सहस्त्रार्चन, जलाभिषेक और रुद्राभिषेक कर भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि, शांति और परिवार की मंगलकामना की। नगर के श्री गौरीशंकर मंदिर में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को विशेष धार्मिक आयोजन हुआ। प्राचीन वैदिक परंपरा के अनुसार श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का जल, गंगाजल, दूध, शहद, घी, इत्र, चंदन, भांग एवं पंचामृत से अभिषेक किया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही बनी रही और श्रद्धालुओं ने श्रद्धा व आस्था के साथ पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया।फूलों से सजा शिव दरबार, भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल

श्रावण के अंतिम सोमवार को विशेष बनाने के लिए श्री गौरीशंकर मंदिर समिति द्वारा मंदिर परिसर की आकर्षक फूलों से सजावट की गई थी। वहीं भजन-कीर्तन और धार्मिक गीतों से पूरा मंदिर परिसर गूंजता रहा। भक्तों ने भगवान शिव की आराधना के साथ भक्ति संगीत का आनंद लिया और देर तक पूजा-अर्चना में लीन रहे। पूजा-अर्चना उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भोग एवं प्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के सभी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

शिवालयों में रही आस्था की धूम

श्रावण के अंतिम सोमवार का उत्साह केवल नगर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आसपास के शिवालयों में भी श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा-अर्चना की। केनापारा स्थित श्री रामेश्वरम शिव मंदिर, सिलफिली में पासंग नाला के समीप स्थित शिव मंदिर तथा कंदरई के जोगीमाड़ा स्थित शिवलिंग, कुमदा कालोनी के तुर्रा नाला किनारे स्थित शिव मंदिर में भी भक्तों ने पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजन किया।

कई श्रद्धालु सुबह से ही शिवालयों में पहुंचने लगे थे। शिवभक्ति के जयकारों ने पूरे क्षेत्र के माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। दिनभर शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहा और कोयलांचल की फिजाओं में हर-हर महादेव का जयघोष गूंजता रहा।

भाइयों के कलाइयों पर सजेगी धान से बनी राखियां कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार की गई आकर्षक एवं हस्तनिर्मित राखियों का स्टॉल संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में लगाया गया। स्टॉल में स्थानीय स्तर पर तैयार धान चावल गेहूं और विभिन्न प्रकार की राखियां बिक्री के लिए उपलब्ध रहीं।

स्व सहायता समूह की महिलाओं को उनके उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने और आय बढ़ाने के उद्देश्य से स्टॉल लगाया गया कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने राखियों की खरीदारी कर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया संयुक्त जिला कार्यालय पहुंचे अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीणों ने भी राखियां खरीदीं। कलेक्टर ने समूह की दीदियों के कार्यों की सराहना करते हुए स्थानीय उत्पादों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार ये उत्पाद उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में भूमिका निभा रहीं हैं।

इस रक्षाबंधन में बलरामपुर ही नहीं राजधानी रायपुर जैसे शहरों में भी भाइयों की कलाइयों पर समूहों की दीदीयो के मेहनत से तैयार राखियां सजेगी।

महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त से दोगुनी हुई रक्षाबंधन की खुशियां

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ उनके जीवन में खुशियों के नए रंग भर रही है। जहां मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने योजना की 30वीं किस्त के रूप में लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में एक हजार रुपये की राशि अंतरित की है। रक्षाबंधन पर्व से पहले मिली यह राशि महिलाओं के लिए विशेष सौगात बनकर आई है।

विकासखंड बलरामपुर की श्रीमती ज्योति सोनी ने योजना से मिले लाभ को अपने अनुभवों के साथ साझा करते हुए बताया कि रक्षाबंधन से ठीक पहले खाते में एक हजार रुपये की राशि आने से उनकी खुशियां दोगुनी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आत्मीय रिश्ते का पर्व है। ऐसे अवसर पर समय पर मिली आर्थिक सहायता से वे अपने भाइयों के लिए राखी, मिठाई, फल सहित अन्य आवश्यक सामग्री खरीद सकेंगी।

श्रीमती सोनी ने खुश होकर कहा कि हमारे भैया मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रक्षाबंधन से पहले हमारे खाते में एक हजार रुपये भेजकर हमारी खुशियां बढ़ा दी हैं। इस राशि से हम अपने भाइयों के लिए राखी और मिठाई सहित त्योहार की जरूरी चीजें खरीदेंगे। उन्होंने कहा कि योजना की नियमित राशि महिलाओं के लिए छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में काफी उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया

कि महतारी वंदन से मिलने वाले राशि का कुछ भाग वे अपने पुत्री के भविष्य गढने में भी कर रही है। जिसके अंतर्गत ज्योति सुकन्या समृद्धि योजना में अपने पुत्री का खाता खुलवाया है जिसमें हर महीने कुछ अंश राशि जमा करती है। जिससे उनकी बेटी का भविष्य भी सवंर रहा है।

वे कहती है कि जब महिलाओं के पास अपनी जरूरतों के लिए स्वयं की राशि होती है, तो वे आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ती है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता गृहिणियों को घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ ही परिवार से जुड़े महत्वपूर्ण अवसरों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का अवसर दे रही है। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर महतारी वंदन योजना की किस्त का मिलना श्रीमती ज्योति सोनी के लिए खास बन गया है। एक ओर जहां राखी का धागा भाई-बहन के स्नेह और विश्वास को मजबूत कर रहा है, तो दूसरी ओर योजना से मिली आर्थिक सहायता ने त्योहार की तैयारियों को सहज बनाया है। उनके लिए यह संयोग सरकार के सहयोग और पारिवारिक खुशियों का यादगार अवसर बन गया है।

श्रीमती ज्योति सोनी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और रक्षाबंधन से पहले योजना की राशि अंतरित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती है कि महतारी वंदन योजना की सहायता उनके लिए केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि अपने परिवार और त्योहार की खुशियों को अपने हाथों से संवारने का यादगार पल भी है।

पण्डो समुदाय के अरविंद ने नीट परीक्षा में रचा सफलता का नया अध्याय

कठिन परिस्थितियों में मेहनत से हासिल की सफलता, कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। पण्डो समुदाय के छात्र अरविंद कुमार ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार और समुदाय का गौरव बढ़ाया है। सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बीच पढ़ाई जारी रखते हुए अरविंद ने यह उपलब्धि हासिल की है, जो क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

अरविंद की सफलता पर कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अरविंद के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से हर चुनौती को पार किया जा सकता है। उन्होंने अरविंद को आगे भी इसी लगन के साथ पढ़ाई जारी रखने और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम चुनापाथर निवासी अरविंद कुमार ने बताया कि उनका परिवार कृषि एवं मजदूरी पर निर्भर है। उनके परिवार में अब तक कोई भी व्यक्ति शिक्षा के क्षेत्र में उच्च स्तर तक आगे नहीं बढ़ पाया था। ऐसे में वे अपने परिवार के पहले सदस्य हैं, जिन्होंने डॉक्टर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

अरविंद डॉक्टर बनकर न केवल अपने परिवार का सपना पूरा करना चाहते हैं, बल्कि भविष्य में अपने समाज के लोगों के लिए स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर समुदाय को आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहते हैं।

अरविंद कहता है कि कठिन परिस्थितियां लक्ष्य की राह में बाधा नहीं बन सकतीं। दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और सही दिशा में प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर पविहन की कार्यवाही

पिकअप एवं ऑटो पर हुई चालानी कार्रवाई, एक पिकअप वाहन जब्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। परिवहन विभाग द्वारा जिले में यातायात नियमों के पालन एवं सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखंड राजपुर अंतर्गत पिकअप वाहन में यात्रियों का परिवहन करते पाए जाने पर संबंधित पिकअप वाहन को राजपुर थाना में जप्त किया गया। इसके साथ ही परिवहन विभाग द्वारा दो अन्य पिकअप वाहनों एवं एक ऑटो के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 7 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा मालवाहक वाहनों में यात्रियों का परिवहन नहीं करने की अपील की है।

छात्रावास की छात्राओं ने किया सड़क जाम, अधीक्षिका को हटाने की मांग, वीडियो वायरल होने पर हरकत में आया प्रशासन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखंड के ग्राम भुनेश्वरपुर स्थित प्री-मैट्रिक बालिका छात्रावास की छात्राओं ने सोमवार को भोजन, पेयजल, पंखे और बिजली की अव्यवस्था तथा छात्रावास अधीक्षिका अनूपा लकड़ा को हटाने की मांग को लेकर रामानुजनगर-सूरजपुर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। छात्राओं के सड़क पर बैठने का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। जानकारी के अनुसार छात्राएं सुबह स्कूल जाने के लिए तैयार होकर सीधे मुख्य मार्ग पर पहुंच गईं और धरने पर बैठ गईं। छात्राओं ने आरोप लगाया कि छात्रावास में मेनू के अनुसार भोजन नहीं दिया जाता, सब्जी बहुत कम दी जाती है, पीने के पानी और बिजली-पंखे की समुचित व्यवस्था नहीं है। सड़क जाम की सूचना पर तहसीलदार एम.एच. राठिया, थानेदार विराट वीसी और असिस्टेंट डायरेक्टर ट्राइबल विजेंद्र एक्का मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्राओं को समझाकर चक्काजाम खुलवाया और उन्हें छात्रावास लेकर गए। वहां समस्याएं सुनने के बाद दो दिवस के भीतर अधीक्षिका को हटाने सहित सभी मांगें पूरी करने के आश्वासन पर छात्राओं ने आंदोलन समाप्त किया।

अटैचमेंट पर जमी हैं अधीक्षिका, लड़का देखता है व्यवस्था! भुनेश्वरपुर प्री-मैट्रिक छात्रावास अधीक्षिका अनूपा लकड़ा का मूल पदस्थापना माध्यमिक शाला उमझर, विकासखंड ओड़गी में है। वह 70 किमी दूर रामानुजनगर के इस हॉस्टल में अटैचमेंट पर ड्यूटी कर रही हैं। आरोप है कि अधीक्षिका स्वयं यदा-कदा ही हॉस्टल आती हैं और उनका लड़का छात्रावास की व्यवस्था देखता है, जो छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। संचालनालय रायपुर और जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर द्वारा अटैचमेंट वाले शिक्षकों को मूल पदस्थापना पर लौटने के निर्देश के बावजूद कई अधीक्षक-अधीक्षिका हटने को तैयार नहीं हैं।

परशुरामपुर मामले में भी कार्रवाई नहीं

इसी महीने 7 अगस्त को कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार ने प्री-मैट्रिक छात्रावास परशुरामपुर की जांच की थी, जिसमें व्यापक गड़बड़ी उजागर हुई थी। जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी गई, लेकिन सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वहां की अधीक्षिका भी मा.शा. सागरपुर में पदस्थ हैं और अटैचमेंट पर लंबे समय से जमी हुई हैं।

अस्वच्छ व्यवसाय से जुड़े परिवारों के बच्चों को छात्रवृत्ति, 31 अगस्त तक बनवाएं प्रमाण पत्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अनुसूचित जाति व अन्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए केंद्र प्रवर्तित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के कम्पोनेंट-कक के तहत अस्वच्छ व्यवसाय प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। चिप्स के माध्यम से प्रमाण पत्र को लाइव किया गया है।

विद्यार्थी अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र (अनुविभागीय अधिकारी / तहसीलदार कार्यालय) में 10 रुपये के स्टाम्प पर शपथ पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में सरपंच/पार्षद और पटवारी के हस्ताक्षर कराकर आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया जाति/निवास/आय प्रमाण पत्र की तरह ही ऑनलाइन होगी।

कौन कर सकते हैं आवेदन?

कचरा बीनने, खतरनाक अपशिष्ट की सफाई, शुष्क शौचालयों की सफाई, जानवरों के चमड़े रंगने और चमड़ा निकालने का कार्य करने वाले परिवार इस प्रमाण पत्र के लिए पात्र हैं।

अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस पर अम्बिकापुर में होगा सद्भावना हॉकी मैच, 27 अगस्त तक पंजीयन

अम्बिकापुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती को अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में खेल दिवस का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन 29 अगस्त को सुबह 10 बजे शासकीय पीजी कॉलेज परिसर स्थित हॉकी ग्राउंड में होगा। इस अवसर पर खेल भावना और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों के बीच सद्भावना हॉकी मैच का आयोजन किया जाएगा।

तीन दिवसीय जैविक खेती प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न, 13 पंचायतों की 55 महिला किसानों ने लिया भाग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। प्रयोग समाजसेवी संस्था तिल्दा नेवरा जिला रायपुर के तत्वावधान में ग्राम पंचायत रामेश्वरम के अंबेडकर भवन में महिला भूमि अधिकार आजीविका परियोजना के अंतर्गत महिला किसानों का तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ। जिला संयोजिका सुश्री बसंती यादव ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर श्रीफल और माल्यार्पण कर किया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षक लीला राम साहू, थनेंद्र साहू और परियोजना समन्वयक सविता रथ के नेतृत्व में किसानों को कम लागत में टिकाऊ और जहर मुक्त खेती के गुर सिखाए गए। प्रशिक्षण में वनस्पतियों, गोबर, गोमूत्र से घनामृत, जीवामृत, संजीवनी खाद और बीजोपचार की विधि को वीडियो और प्रैक्टिकल के माध्यम से समझाया गया। बताया गया कि कैसे जैविक खेती से जल, जंगल, जमीन, पशुधन और पर्यावरण को बचाकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटा जा सकता है।

इस शिविर में 13 ग्राम पंचायतों से 55 महिला-पुरुष किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच गायत्री सिंह, पूर्व सरपंच राम लखन सिंह, जगत सिंह, उप सरपंच नरेन्द्र सिंह, पूर्व उप सरपंच देवकुमार, ग्राम पंचायत पटना की सरपंच बिमला सिंह, ग्राम सेवक कपिल देव सिंह, एकता परिषद ब्लाक अध्यक्ष गनपत सिंह सहित कई मुखिया और किसान उपस्थित रहे। अंत में सहयोगी कार्यकर्ता नंदनी सिंह ने सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

प्राचार्य पदोन्नति के नए नियम पर भड़का व्याख्याताओं का आक्रोश, संयुक्त संचालक को सौंपा ज्ञापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 13 फरवरी 2026 को राजपत्र में प्रकाशित प्राचार्य पदोन्नति के नवीन नियम को लेकर व्याख्याता (एलबी) संवर्ग में भारी नाराजगी है। सरगुजा संभाग सहित छठी अनुसूची क्षेत्र में कार्यरत व्याख्याताओं ने नए नियम को विसंगतिपूर्ण बताते हुए इसे तत्काल निरस्त कर पूर्व व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। व्याख्याताओं के प्रतिनिधिमंडल ने सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक शिक्षा राजेश सिंह के नाम ज्ञापन सौंपा। संयुक्त संचालक के भ्रमण पर होने के कारण सहायक संचालक अनिल अग्रवाल ने ज्ञापन लिया। यह ज्ञापन शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव और संचालक लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर को प्रेषित किया गया है।

व्याख्याताओं का कहना है कि वर्ष 2019 के भर्ती नियम में प्राचार्य पद पर पदोन्नति के लिए व्याख्याताओं को 65 प्रतिशत और प्रधान पाठकों को 25 प्रतिशत कोटा दिया गया था। नए नियम में इस कोटे में बदलाव कर दिया गया है, जिससे लंबे समय से एक ही पद पर कार्यरत व्याख्याता (एलबी) संवर्ग पदोन्नति के अवसर से वंचित हो जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि व्याख्याता संवर्ग के शिक्षक लगभग 22 वर्षों से एक ही पद पर सेवाएं दे रहे हैं। कई व्याख्याता वर्षों से प्रभारी प्राचार्य के रूप में स्कूलों का संचालन कर रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें न तो नियमित पदोन्नति मिली है और न ही पर्याप्त आर्थिक लाभ। नए नियम से उनकी पदोन्नति की उम्मीद और कम हो गई है।

जिला स्तरीय अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट सम्पन्न, विजेता रायपुर जाएंगे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में अणुव्रत समिति अंबिकापुर द्वारा अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2026 का जिला स्तरीय कार्यक्रम लाइवलीहुड कॉलेज अंबिकापुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा संभाग राजेश सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन और अणुव्रत गीत के साथ किया।

विषय था - हमारी ताकत हमारा परिवार

इस वर्ष का विषय 'हमारी ताकत हमारा परिवार' था। प्रतियोगिता पांच विधाओं - चित्रकला, भाषण, निबंध, कविता और गीत गायन में आयोजित हुई। इसमें दो ग्रुप बनाए गए थे, जूनियर ग्रुप और सीनियर ग्रुप। स्कूलों में प्रथम रहे लगभग 200 बच्चों ने जिला स्तर पर भाग लिया। खास बात है कि राष्ट्रीय स्तर से विषय दिए जाते हैं और विद्यालय व बच्चे ऑनलाइन रजिस्टर्ड होते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहती है। कार्यक्रम दो चरणों में हुआ। प्रथम चरण में निबंध और चित्रकला में बच्चों ने अपनी कल्पना बिखेरी, वहीं दूसरे चरण में मंचीय कार्यक्रम में भाषण, कविता और गीतों की प्रस्तुति हुई।

निर्णायक मंडल और विजेता

रनिर्णायकों ने लगभग सभी विधाओं में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के बच्चों को विजेता घोषित किया, जबकि जूनियर ग्रुप गायन में मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल विजेता रही। सभी जिला स्तरीय विजेता अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए रायपुर जाएंगे। मुख्य अतिथि राजेश सिंह ने कहा कि, ₹यह कार्यक्रम पहली बार देखा है। छुपी प्रतिभाओं को समाज के सामने लाने का यह प्रयास काबिले तारीफ और अनुकरणीय है। पूरी समिति बधाई की पात्र है। मैं बच्चों को सुनकर अभिभूत हूं।₹ कार्यक्रम राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस दौरान समिति अध्यक्ष धनपत महनोत, मंत्री महेंद्र बोथरा, कोषाध्यक्ष हनुमान डागा, सह सचिव मनोज बोथरा, युवक परिषद अध्यक्ष रंजीत मालू सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन रोशनी सिंह एवं ममोल कोचेटा ने किया और आभार प्रदर्शन मंत्री महेंद्र बोथरा ने किया। अंत में सभी विजेता बच्चों को पुरस्कार एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

सावन के अंतिम सोमवार पर शिवालयों में उमड़े भक्त, जलाभिषेक और भंडारे का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर क्षेत्र के सभी शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। सुबह से ही जलाभिषेक, भजन-कीर्तन, पूजा-आरती और महाप्रसाद वितरण का दौर शाम तक चलता रहा। सावन के अंतिम सोमवार पर गांव-गांव स्थित शिवालयों में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की गई। इसी क्रम में थाना कैम्पस स्थित शिव मंदिर में विशेष जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया गया। थाने के सभी स्टाफ अपने परिवार सहित पूजा-पाठ में शामिल रहे। जलाभिषेक के बाद दिव्य आरती और वृहद भंडारे का आयोजन किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने माथा टेक कर महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी विराट वीसी, राधेश्याम शर्मा, शिवदयाल सिंह, सौभाग्य दुबे, संतोष साहू सहित थाना स्टाफ उपस्थित रहा। वहीं ग्राम दवना स्थित स्वयंभू महादेव मंदिर में कांवरियों ने पतरापाली के त्रिवेणी संगम से जल लाकर जलाभिषेक किया। यहां भी दिनभर महाप्रसाद वितरण चलता रहा।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड एम.सी.बी., जिला- एम.सी.बी. (छ०ग०)

निविदा सूचना क्रमांक / 07 / व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.खा./2026-27 एम.सी.बी., दिनांक- 22.07.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रपत्र 'स' में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (रू.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	Rewinding & Repairing of 300 KW/402.30HP ALSTOM make AC Induction Motor installed at the Clear Water Pump House under Chirimiri Water Supply Scheme i/c complete insulation and replacement winding materials, with cost of materials i/c opening, refitting, transportation, erection, installation & proper alignment with trial and testing etc complete. **Details of Motor are:-** Make.- ALSTOM, 300 KW/402.30HP, Rated Amp.- 65.5 Amp, Volts.- 3300V, Phase.-3, Frequency.- 50Hz, Rpm.- 1490, Frame – DC315F800, Duty.- S1, REF IS: 325, ENCL. – IP55, EFF.– 94.0%, INS.CL.- F, P.F.- 0.85, Weight– 2800 Kg.	4.16	8320.00	750/-	02 माह वर्षा ऋतु सहित	एकीकृत पंजीयन प्रणाली में श्रेणी "द" एवं उच्च श्रेणी

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 24-08-2026 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
एम.सी.बी., जिला-एम.सी.बी. (छ०ग०)

जी 262702876/1

बहनों की तरक्की, परिवार की शान-विष्णु भैया का यही अभियान : महतारी वंदन योजना बनी सहारा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उन्हें अपने परिवार और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने का अवसर महतारी वंदन योजना दे रही है। योजना से लाभान्वित लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खुटिया निवासी श्रीमती उमा सिंह हर माह मिलने वाली 1,000 की राशि अपनी बिटिया के नाम पर पोस्ट ऑफिस में जमा कर रही हैं। उमा सिंह ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें प्रत्येक माह 1,000 की सहयोग राशि प्राप्त होती है। वह इस राशि का उपयोग स्वयं पर खर्च करने के बजाय अपनी बेटी के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से पोस्ट ऑफिस में जमा कर रही हैं। उनका कहना है कि आगे चलकर यह बचत उनकी बिटिया की पढ़ाई-लिखाई में उपयोगी साबित होगी। उमा सिंह ने इस आर्थिक सहयोग के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि उनके लिए अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बचत करने का माध्यम बनी है। उन्होंने मुख्यमंत्री को योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित सहायता महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ बचत की आदत विकसित करने के साथ ही परिवार की प्राथमिक आवश्यकताओं को पूरा करने और बच्चों के भविष्य के लिए आर्थिक आधार तैयार करने में सहयोग प्रदान कर रही है। उमा सिंह की पहल इसी सकारात्मक बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत करती है, जहां योजना की राशि तत्काल जरूरतों के साथ-साथ आने वाले कल को बेहतर बनाने के लिए भी उपयोग में लाई जा रही है।

बिहान से माया विश्वास बनीं 'लखपति दीदी'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में 'बिहान' योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सकालो की माया विश्वास इसकी जीवंत मिसाल हैं। माया 'काली माई' स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं।

पहले परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी और आय के सीमित साधन थे। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने बदलाव की राह पकड़ी। उन्होंने समूह से 70 हजार रुपये का ऋण लेकर मक्का उत्पादन शुरू किया। आज स्थिति यह है कि उन्हें उपज बेचने बाजार नहीं जाना पड़ता, खरीदार घर से ही मक्का ले जाते हैं, जिससे समय और परिवहन खर्च दोनों की बचत हो रही है। मक्का की खेती से उनकी आय बढ़ी है और परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। इसी सफलता से माया आज 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। माया ने बताया कि समूह से मिले छोटे-छोटे ऋण ने बड़ा बदलाव लाया। उन्होंने कहा कि आजीविका का अवसर देने के लिए वे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देती हैं। उनकी कहानी बताती है कि स्व-सहायता समूह सिर्फ बचत-ऋण तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को स्थायी आजीविका से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की ऐतिहासिक प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया। अब सवाल उठाए जा रहे हैं कि पीएम किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और क्या सच में देश की शांति को इनसे किसी किस्म का खतरा है? क्या मोदी सरकार इस शब्द के माध्यम से अपनी आलोचना करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना चाहती है और अभिव्यक्ति की आजादी छीनना चाहती है? जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज़ को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब हर शब्द के लिए बुना जाता है जाल

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। आज जब सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं।

नक्सलवाद क्या था? नक्सलबाड़ी कहां थी? इस 'शब्द' की शुरुआत कहां से हुई? ये चारू मजूमदार, कानू सन्याल आदि कौन थे, इन प्रश्नों के उत्तर शायद उनके पास भी नहीं, जो आज प्रधानमंत्री के स्वाधीनता-दिवस सम्बोधन को लेकर लम्बे-चौड़े बयान दागने में व्यस्त हैं। अब कुछ लोगों को स्वयं को 'दिमागी नक्सल' कहलाने में भी गर्व हो रहा है। हमारे देश में अब किन्हीं भी शब्दों को लेकर बहस-मुबाहसा एक 'राष्ट्रीय हॉबी' बन चला है। भारत के स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों ने इस हिंसक वामपंथी उग्रवाद की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है। आज, जब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, लगातार चलाए गए अभियानों और विकास की पहुंच के कारण वह हिंसक और सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम प्रहर की ओर बढ़ रहा है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य उसी नए खतरे के प्रति देश को आगाह करने का एक प्रयास था, जो बंदूकों से नहीं बल्कि संवाद, विचारों, लेखनी और विमर्श के माध्यम से हमारे समाज के ताने-बाने को भीतर से भेदने का प्रयास कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर सत्ता के शीर्ष पर बैठे प्रधानमंत्री किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और इनका वास्तविक स्वरूप क्या है।

नकारात्मक 'नैरेटिव'

'दिमागी नक्सल' को यदि इसके गहरे अर्थों में समझा जाए तो यह शब्द, जिन्हें अक्सर वैचारिक नक्सली या 'अर्बन नक्सल' भी कहा जाता है, वे लोग हैं जो कभी प्रत्यक्ष रूप से हाथों में हथियार नहीं उठाते। ये लोग जंगलों में छिपकर पुलिस से मुठभेड़ नहीं करते बल्कि ये हमारे समाज के सबसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित हिस्सों में रहते हैं। ये अक्सर समाज के प्रबुद्ध वर्ग- जैसे विश्वविद्यालयों के परिसरों, मानवाधिकार संगठनों, साहित्य, कला और मीडिया के क्षेत्रों-में एक सम्मानित चोले के भीतर छिपे हो सकते हैं। इनका मुख्य हथियार इनकी लेखनी, इनका प्रभावशाली भाषण, इनका अकादमिक शोध और संवाद की वह आकर्षक शैली है, जिसके जरिए ये बहुत ही चतुराई से स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ एक निरंतर नकारात्मक 'नैरेटिव' या विमर्श तैयार करते हैं। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के दृष्टिकोण से देखें तो इन दिमागी नक्सलियों का मुख्य लक्ष्य देश की युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्रों के भावुक मस्तिष्कों को अपना निशाना बनाना है जो दुनिया को बदलने का आदर्शवादी सपना देखते हैं। ये वैचारिक तत्व समाज की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने के बजाय युवाओं के भीतर अपने ही देश, संस्कृति और अपनी ही लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नफरत, आक्रोश और गहरे अविश्वास के बीज बोते हैं।

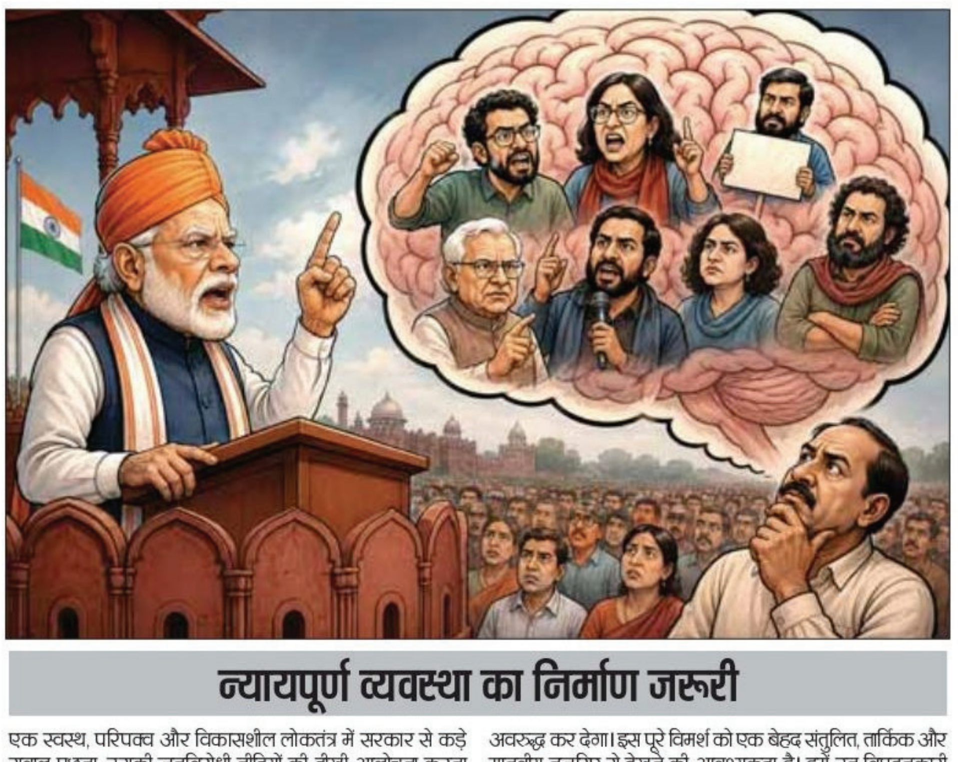

न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण जरूरी

एक स्वस्थ, परिपक्व और विकासशील लोकतंत्र में सरकार से कड़े सवाल पूछना, उसकी जनविरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करना और कमजोर तथा शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए सड़क पर उतरकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना कोई अपराध नहीं है बल्कि यह एक जागरूक नागरिक का परम कर्तव्य है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े होने वाले हर व्यक्ति या विश्वविद्यालयों में बौद्धिक बहस करने वाले हर छात्र को संदेह की दृष्टि से देखना और उसे नक्सलवाद का चोला पहना देना स्वयं लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हो सकता है। यदि असहमति को राष्ट्रद्रोह मान लिया गया तो समाज की सोचने-समझने की शक्ति क्षीण हो जाएगी और एक डर का माहौल पैदा होगा, जो अंततः देश के मानसिक और बौद्धिक विकास को ही पूरी तरह से अवरुद्ध कर देगा। इस पूरे विमर्श को एक बेहद संतुलित, तार्किक और मानवीय नजरिए से देखने की आवश्यकता है। हमें उन विघटनकारी ताकतों, छद्म विचारकों और विदेशी इशारों पर काम करने वाले उन तत्वों को पहचानकर कानून के दायरे में रोकना नितांत आवश्यक है जो हमारे युवाओं के भविष्य और देश की शांति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हमें एक ऐसी न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण करना होगा, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर किसी निर्दोष या सवाल पूछने वाले नागरिक का उत्पीड़न न हो और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी हमारे राष्ट्र की शांति को आग न लगा सके। यही वह संतुलन है जो भारत को भविष्य में एक सशक्त, सुरक्षित और सही अर्थों में एक विचारशील राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगा।

प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक

अब हम उस सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील सवाल पर आते हैं कि क्या सचमुच में देश की शांति, सुरक्षा और अखंडता को इन लोगों से किसी किस्म का कोई गंभीर खतरा है? इस प्रश्न को लेकर समाज में दो अलग-अलग और बेहद स्पष्ट दृष्टिकोण मौजूद हैं, जिन्हें समझे बिना इस विषय का पूरा सच नहीं जाना जा सकता। यदि हम राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकार के नजरिए से इस खतरे का मूल्यांकन करें तो यह खतरा न केवल वास्तविक है, बल्कि किसी भी हथियारबंद विद्रोह से कहीं अधिक विनाशकारी है। किसी भी महान राष्ट्र की नींव केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं या सेना की ताकत पर नहीं टिकी होती बल्कि वह नींव उसके नागरिकों के आपसी प्रेम, सामंजस्य और अपनी न्याय व्यवस्था पर उनके अटूट विश्वास में निहित होती है। यदि कोई ऐसा संगठित और वैचारिक समूह निरंतर देश के विकास, उसकी सांस्कृतिक विरासत और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ काम करता है तो वह बिना एक भी गोली चला, देश को भीतर से पूरी तरह खोखला कर सकता है। हमारे समाज में जाति, धर्म और भाषा की जो प्राकृतिक विविधताएं हैं, ये तत्त्व उन्हें खाई में बदलने का प्रयास करते हैं। युवाओं को गुमराह करके उन्हें अलगाववाद या अराजकता के अंधे कुएं में धकेलना किसी भी प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक साबित हो सकता है।

सरकार की नीतियों से असहमति

यह एक धीमा जहर है जो समाज की नसों में इस तरह घोला जाता है कि बीमार होने वाले को अपनी बीमारी का अहसास तक नहीं होता। जब विदेशी मंचों पर देश की छवि को जानबूझकर धूमिल किया जाता है, जब विकास की हर परियोजना को पर्यावरण या अधिकारों के नाम पर रोकने की साजिश रची जाती है, तो निश्चित रूप से यह देश की शांति और आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बहुत बड़ा और गंभीर खतरा बन जाता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण तथा मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवंत लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं की यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि 'दिमागी नक्सल' या 'अर्बन नक्सल' जैसे शब्दों की हमारे संविधान या दंड संहिता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भारी-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

चुनी हुई सरकार से सवाल करना नागरिक का अधिकार

बहस

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच सत्ता प्राप्ति की चाहत में निरंतर एक संघर्ष और विमर्श चलता रहता है और चलता भी रहना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की सेहत दुरुस्त रहती है क्योंकि इसी संघर्ष से चुनावी वादे और नैरेटिव का जन्म होता है। लोकतंत्र में अगर विपक्ष निष्क्रिय हो जाएगा तो सत्ता को राजशाही में बदलने से कोई नहीं रोक सकता। इधर सत्ता में बैठी हुई पार्टी भी अपनी सत्ता को बनाए रखने की कोशिश में नारे और नैरेटिव का खेल खेलती है। इसी नैरेटिव को गढ़ने की कोशिश में नए शब्द गढ़े जाते हैं। शब्दों की इसी श्रृंखला में कई वर्ष पहले 'अर्बन नक्सल' एक शब्द आया था। अब इसी अर्बन नक्सल को और थोड़ा परिष्कृत करके प्रधानमंत्री के द्वारा लाल किले की प्राचीर से एक नया शब्द 'दिमागी नक्सल' का प्रयोग हुआ। शब्द के प्रयोग के बाद उसकी व्याख्या शुरू हुई, वाद-विवाद हुए, अर्थ-अनर्थ निकाले गए। इस तरह एक शब्द को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई।

विपक्ष के लोगों ने 'दिमागी नक्सल' शब्द को अपनी परिभाषा दी है, जो भी सत्ता से सवाल पूछेगा उसको 'दिमागी नक्सल' बोला जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था मत देने वाले हर व्यक्ति को यह अधिकार देती है कि वह अपनी चुनी हुई सरकार से सवाल करे। इन सवालों की प्रासंगिकता उस वक्त और बढ़ जाती है जब व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर परेशानियां निरंतर बढ़ने लगती हैं और उनके समाधान नहीं ढूंढे जाते हैं। देश में पिछले कई वर्षों से पेपर लीक एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। पेपर लीक के इन मामलों में कई रसूखदार लोग भी पकड़े गए, लेकिन समस्या खत्म होने के बजाए और बढ़ती गई। आखिर देश की युवा पीढ़ी का गुस्सा आग बनकर सड़कों पर उतरा जिसने हिंसा का रूप ले लिया। कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए जो नहीं होने चाहिए थे। सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे हुए लोगों के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग हुआ जो नहीं होना चाहिए था। इसी संदर्भ में सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ से कुछ नए नैरेटिव गढ़े गए और नए शब्दों का भी प्रयोग हुआ, इसलिए सवाल भी दोनों तरफ उठते हैं। क्या सत्ता से सवाल पूछना अपराध है या सरकार के किसी कृत्य का विरोध करना गुनाह है या सवाल पूछने वालों को प्रभावहीन बताकर उनकी उपेक्षा करना उचित है। बहुत आवश्यक है कि लोकतंत्र में सागर की तरह हलचल होती रहनी चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष का भी यह धर्म है कि वह अपनी बंदूक समाज के किसी ऐसे वर्ग के कन्धों पर ना रखे, जो मासूम हो। जंतर-मंतर पर होने वाले छात्र आंदोलन के माध्यम से जो कुछ हुआ, वह विरोध कम संघर्ष अधिक था। शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए जिस तरह के अपशब्दों का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य समाज में जायज नहीं ठहराया जा सकता। शायद इसी को काउंटर करने के लिए प्रधानमंत्री को 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग करना पड़ा। 'अर्बन नक्सल' से दिमागी नक्सल तक की ये शाब्दिक यात्रा अनायास नहीं है। इसके पीछे भी बहुत सारे तर्क हैं। केवल जंतर-मंतर के आंदोलन से इसे जोड़ना ठीक नहीं होगा। भारत के बड़े भूभाग जिसमें बंगाल, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ तो नक्सलवाद के केंद्र के रूप में उभरा है। लेकिन गृह मंत्रालय और भारतीय सशस्त्र बलों के अथक प्रयास के पश्चात देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब सरकार को चिंता इस बात की है कि इसी विचारधारा के शहरों में बैठे लोग कहीं फिर से युवाओं के मन में इस विचार का बीजारोपण न कर दें। इसी को लेकर सरकार की चिंताएं बहुत हद तक वाजिब भी हैं। यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के खिलाफ आगाह किया जा सके। सरकारों के प्रति या उसकी नीतियों के प्रति लोगों का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन एक सभ्य लोकतंत्र में विरोध के नाम पर किसी को भी हथियार उठाने या गाली देने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। अगर विरोध के नाम पर ये सब होता है तो निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। सत्ता और समाज के बीच जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो समाज के चौथे पिलर 'न्याय पालिका' की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। अपने हक के लिए संघर्ष करते लोगों पर किया जाने वाला बल प्रयोग अगर अनुचित है तो व्यवथा कायम करने वाले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर चलाना, उन्हें गाली देना भी पूर्णतया बहिष्कार करने योग्य है। जब दोनों पक्ष अपने को सही ठहराने लगें तो न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इस पूरी बहस का निष्कर्ष यही है कि सरकार को समझना चाहिए कि सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं होता और विपक्ष को भी यह समझना चाहिए कि सरकार और देश के विरोध में खिंची हुई लक्ष्मण रेखा कभी अदृश्य न हो, न ही धुंधली पड़े। सरकारें आती हैं और चली जाती हैं, देश हमेशा रहता है। कोई सत्ता में हो या विपक्ष में देश का कानून और देश का सम्मान सर्वोपरि है। उसे किसी भी प्रकार की ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। सत्ता के लालच में कोई व्यक्ति या पार्टी अगर गलत कदम लेता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। साथ ही सरकार को भी अपनी मर्यादा में समझनी चाहिए।

यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा, ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के खिलाफ आगाह किया जा सके।

नक्सल-मुक्त भारत व दिमागी नक्सल का दंभ

मंथन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारत के राजनीतिक और आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में 'दिमागी नक्सल' शब्दावली को लेकर एक तीव्र वैचारिक एवं राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वक्तव्य के बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की टिप्पणियों ने इस विषय को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत सरकार ने जंगलों से हिंसक और हथियारबंद नक्सलवाद का लगभग पूरी तरह खात्मा कर दिया है।

हालांकि उन्होंने आगाह किया कि देश को अब 'दिमागी नक्सलियों' से सतर्क रहने की जरूरत है जो शहरी और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से समाज में अराजकता और वैचारिक हिंसा फैलाने की फिराक में रहते हैं। इसके जवाब में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए लिखा, "मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है।" वहीं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि यदि सरकार से सवाल पूछना, जनहित के मुद्दे उठाना और देशभक्ति के साथ व्यवस्था का विरोध करना दिमागी नक्सलवाद है तो वे भी 'दिमागी नक्सली' हैं और उन्हें इस पर गर्व है। बीजेपी और सुरक्षा विशेषज्ञों का तर्क है कि जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। बीजेपी ने पी. चिदंबरम के बयान पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान की याद दिलाई जिसमें उन्होंने नक्सलवाद को 'देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा' बताया था। बीजेपी का तर्क है कि एक पूर्व गृह मंत्री का स्वयं को नक्सलवाद के किसी भी रूप से जोड़ना राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है। दूसरी ओर अरविंद केजरीवाल अराजकता का समर्थन पहली बार नहीं कर रहे हैं। 20 जनवरी 2014 को जब वे पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने ही थे तब उन्होंने रेल भवन के बाहर धरना-प्रदर्शन करते हुए बयान दिया था कि मैं अराजक हूं। भारतीय राजनीति के इतिहास में यह पहली बार था जब किसी राज्य के पदस्थ मुख्यमंत्री ने खुद को सार्वजनिक रूप से 'अराजक' स्वीकार करते हुए सड़क पर 30 घंटों तक धरना दिया था। हालांकि विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है। उनका दावा है कि उनका विरोध जनहित, संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। भारत में वामपंथी उग्रवाद यानी लाल आतंक का इतिहास आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों में सबसे जटिल रहा है।

हालांकि बीते एक दशक में भारत सरकार की त्रिस्तरीय नीति- सुरक्षा, विकास और समावेशन ने नक्सलवाद के प्रभाव को ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर पर ला खड़ा किया है। सशस्त्र नक्सलवाद के अलावा, वैचारिक एवं प्रशासनिक गलियारों में 'अर्बन नक्सलवाद' या 'दिमागी नक्सलवाद' की शब्दावली पर अकसर बहस होती रहती है। सुरक्षा विश्लेषकों का मानना है कि बंदूकों से लड़ा जाने वाला नक्सलवाद केवल एक पहलू है, जबकि जंगलों के बाहर मुख्यधारा के शहरों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों में नक्सलियों को वैचारिक एवं कानूनी सहायता प्रदान करने वाला 'अर्बन नेटवर्क' तंत्र सपोर्ट करता है। पी. चिदंबरम और अरविंद केजरीवाल जैसे राजनेताओं पर आलोचकों द्वारा नक्सल-सहानुभूति या प्रशासनिक उदासीनता के आरोप लगाए जाते रहे हैं, जबकि दोनों नेताओं और उनके समर्थकों का यह तर्क रहा है कि वे नागरिक अधिकारों, आदिवासी हितों और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की बात करते हैं। जमीनी आंकड़ों और सुरक्षाबलों की कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि रणनीतिक घेराबंदी, बेहतर बुनियादी ढांचे और सख्त सुरक्षा नीति के कारण भारत में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है।

संवाद की खिड़की को खुला रखे सरकार

जेन-जी

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें सोचने की और सवाल पूछने की आज़ादी होती है। लेकिन क्या हो जब ये सवाल सत्ता के कानों में चुभने लगें? क्या हो जब एक पूरी नई पीढ़ी, जिसे हम 'जेन-ज़ी' कहते हैं, पुरानी व्यवस्था से ऐसे सवाल पूछने लगे जिनके जवाब फाइलों और भाषणों में नहीं मिलते? आज के समय में ऐसे ही सवाल पूछने वाले युवाओं, विचारकों और आम नागरिकों को एक नया नाम दे दिया गया है, जिसे 'दिमागी नक्सल' कहा जा रहा है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज़ को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल या अर्बन नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जा रहा है जिनके हाथों में बंदूक नहीं, बल्कि किताबें, कीबोर्ड और स्मार्टफोन हैं।

ये वो लोग हैं जो पर्यावरण की बात करते हैं, जो रोजगार मांगते हैं, जो परीक्षा के पेपर लीक होने पर सड़क पर उतर आते हैं, या जो किसी अन्याय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज करते हैं। जब सत्ता इन तर्कों का जवाब तर्कों से नहीं दे पाती, तो वह एक आसान रास्ता चुनती है, ठप्पा लगाने का। किसी को दिमागी नक्सल कह देना दरअसल उसकी आवाज़ को, उसकी पीड़ा को और उसके सच को खारिज करने का एक बेहद चालाक तरीका है। जब आप किसी युवा को यह तमगा दे देते हैं, तो आपको उसके उठाए गए असली मुद्दों पर जवाब नहीं देना पड़ता और वह समाज की नजरों में एक खलनायक बन जाता है। जेन-ज़ी यानी वो पीढ़ी जिसका जन्म नब्बे के दशक के आखिरी सालों और दो हजार दस के बीच हुआ, वह इंटरनेट की गोद में बड़ी हुई है। पुरानी पीढ़ियों के आंदोलन करने के तरीके अलग थे। लेकिन जेन-ज़ी के आंदोलनों ने दुनिया भर की सरकारों को गहरे असमंजस में डाल दिया है।

इस पीढ़ी का कोई एक चेहरा नहीं है और इनका आंदोलन केंद्रीकृत नहीं है। एक छोटी सी घटना का वीडियो वायरल होता है और रातों-रात लाखों युवा मीम्स, रील्स और स्टोरीज के जरिए एक डिजिटल सैलाब ला देते हैं। सरकारें परेशान हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इस पीढ़ी से कैसे लड़ा जाए। जेन-ज़ी के पास न खोने के लिए कोई बड़ा राजनीतिक करियर है और न ही वे पुरानी विचारधाराओं के बंधनों में बंधे हैं। वे बहुत साफ, सीधे और बेबाक सवाल पूछते हैं। व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। अंग्रेजों के बनाए हुए या नए कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है जो असहमत हैं। इंटरनेट सस्पेंड कर देना, सोशल मीडिया एकाउंट्स को ब्लॉक करवाना और पोस्ट को डिलीट करवाना आज के दौर की नई पुलिसिंग है। इस पूरी बहस को अगर हम राजनीति के चश्मे से हटाकर एक आम इंसान की नजर से देखें, तो तस्वीर बहुत भावुक कर देने वाली है। एक युवा जो दिन-रात पढ़ाई करता है, जिसका पिता कर्ज लेकर उसे शहर भेजता है, वह जब देखता है कि उसकी परीक्षा का पेपर बिक गया है, तो वह सड़क पर उतरता है। एक लड़की जो रात में सड़कों पर अपनी सुरक्षा की गारंटी मांग रही है, या वो व्यक्ति जो अपने जल, जंगल, जमीन को बचा रहा है, वे कोई दिमागी नक्सल नहीं हैं। जेन-ज़ी के पास बहुत ज्यादा अपेक्षाएं नहीं हैं। अगर सरकारें सचमुच देश का विकास चाहती हैं, तो उन्हें इन युवाओं से डरने या उन्हें कुचलने के बजाय, उनके सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। उन्हें दिमागी नक्सल कहकर खारिज करने से समस्या हल नहीं होगी; बल्कि यह संवाद की उस खिड़की को हमेशा के लिए बंद कर देगा, जो एक बेहतर भविष्य के लिए बहुत जरूरी है।

व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है।

जहाज निर्माण में भारत की बड़ी छलांग की तैयारी

भारत वैश्विक जहाज निर्माण का केंद्र बनने में सक्षमः राजनाथ सिंह

भारत के लिए वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में जगह बन रही है

एजेंसी ⏭ कोलकाता

कोलकाता से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे।

3,500 करोड़ की लागत वाली 5 परियोजनाओं का शिलान्यास

रक्षा मंत्री ने कहा-जहाजों की जरूरतों से बना मौका न गंवाएं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की जहाज निर्माण क्षमता को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने की संभावना जताई है। कोलकाता में उन्होंने रक्षा क्षेत्र से जुड़ी पांच विस्तार योजनाओं की आधारशिला रखी, जिन पर करीब 3,500 करोड़ रुपए खर्च होने हैं। इनमें तीन परियोजनाएं जीआरएसई और दो यंत्र इंडिया लिमिटेड की हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। उन्होंने कोलकाता से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब 3,500 करोड़ की लागत वाली पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक खाली जगह बन रही है और भारत इस अवसर का लाभ उठा सकता है। इन परियोजनाओं में जीआरएसई की तीन और यंत्र इंडिया की दो परियोजनाएं शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार विकास के नए पुनर्जागरण की शुरुआत के लिए कदम उठाएगी। कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नई परियोजनाओं ने ले ली है।

आधारशिला रखते हुए रक्षामंत्री एवं सीएम सुवेंदु

राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सोच अब यह नहीं होनी चाहिए कि भारत को दुनिया से क्या खरीदना है। इसके बजाय हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हम दुनिया को क्या दे सकते हैं। आप दो मौकों पर पहले ही जहाजों का निर्यात कर चुके हैं और कई मित्र देश अपनी नौसेना की जहाजों से जुड़ी जरूरतों के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। हमें अपने सामने आए इस अवसर को गंवाना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य ऐसी गुणवत्ता हासिल करना होना चाहिए, जिस पर दुनिया भरोसा करे। ऐसी गुणवत्ता जो विश्वास पैदा करे, ऐसी कीमत जो दुनिया को हमें चुनने के लिए प्रेरित करे और ऐसे आपूर्ति मानक हों, जो ग्राहकों को दोबारा ऑर्डर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

रायचक में नदी किनारे 32 एकड़ जमीन भी ली गई

जीआरएसई के एक अधिकारी ने बताया कि क्षमता विस्तार के तहत कंपनी ने हुगली नदी के दोनों किनारों पर दो छोटे शिपयार्ड के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता (एसएमपीके) के साथ लीज समझौते किए हैं। इसके अलावा रायचक में नदी किनारे 32 एकड़ जमीन भी ली गई है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से युद्धपोतों के निर्माण और उनकी मरम्मत की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने कहा, ये परियोजनाएं जीआरएसई की क्षमताओं को मजबूत करेंगी। साथ ही रोजगार के अवसर पैदा करने और सहायक उद्योगों, खासकर एमएसएमई के लिए अवसर बढ़ाकर पश्चिम बंगाल के औद्योगिक क्षेत्र को फिर से मजबूत करने में मदद करेंगी।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार की संदिग्ध मौत

मां-बेटी सीढ़ियों पर, पिता छत और बेटे का शव बिस्तर के नीचे मिला

पुलिस के हाथ खाली, न सुराग और न कोई सबूत

एजेंसी ⏭ ढाका

बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार सदस्य सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी प्रीतिलता, बेटी अगामी और 12 वर्षीय बेटा प्रियम शनिवार रात अपने बंद घर में मृत मिले। परिजनों के अनुसार, गुरुवार रात से चारों के मोबाइल फोन बंद थे। पुलिस ने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया, जहां शव अलग-अलग स्थानों पर मिले। मामले की जांच पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच कर रही है। फिलहाल मौत की वजह, समय और घटना के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है। शहर के दशपाड़ा (मच्छुआपाड़ा) इलाके में स्थित एक मकान से शनिवार रात करीब 11:30 बजे चारों के शव बरामद किए गए। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन कोतवाली थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) नाजमुल कादर ने बताया कि मकान अंदर से नहीं, बल्कि बाहर से बंद था और पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करने के बाद शव बरामद किए। यह जानकारी द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है। मृतकों की पहचान रंगपुर जिला स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती (65), उनकी पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी अगामी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और 12 वर्षीय बेटे प्रियम चक्रवर्ती के रूप में हुई है। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन सीआईडी के प्रभारी सुबीर चौधरी ने बताया कि घर के अंदर चारों शव अलग-अलग स्थानों पर मिले। उनके मुताबिक, मां और बेटी के शव सीढ़ियों के पास से बरामद किए गए, जबकि गणपति चक्रवर्ती का शव छत पर मिला। सुबीर चौधरी के अनुसार, 12 वर्षीय प्रियम चक्रवर्ती का शव एक बिस्तर के नीचे मिला। उन्होंने कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं। जांच से यह पता चलेगा कि इन मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है।

यूएस में कारोबारी के बाद अब भारतीय युवक की हत्या

न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ हिंसक घटनाओं के बीच न्यूयॉर्क शहर में पिज्जा डिलीवरी का काम करने वाले 27 वर्षीय पंजाबी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान पंजाब के रहने वाले गुरदीप सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद पंजाब स्थित उनके परिवार में मातम पसरा है। परिवार ने गुरदीप का शव भारत लाने और हमलावर की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार रात करीब 9:58 बजे ब्रुकलिन इलाके में हुई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) को 899 क्रिसेंट स्ट्रीट के पास एक व्यक्ति के कई गोलियां लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गुरदीप सिंह को घायल अवस्था में पाया।आपातकालीन चिकित्सा सेवा की मदद से गुरदीप को वन ब्रुकलिन हेल्थ-ब्रुकडेल हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

19 इलाकों में एयर डिफेंस सक्रिय

रूस का बड़ा दावाः 12 घंटे में यूक्रेन के 250 ड्रोन मार गिराए

एजेंसी ⏭ मॉस्को

उड़ान भरने वाले ड्रोन की संख्या 2,600 से अधिक थी

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने 12 घंटों के भीतर यूक्रेन के 250 ड्रोन को नष्ट कर दिया। मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे (मॉस्को समय) के बीच रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को समेत 19 इलाकों में 250 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग ड्रोन मार गिराए। इसके अलावा, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में मॉस्को क्षेत्र की ओर उड़ान भरने वाले ड्रोन की संख्या 2,600 से अधिक रही है।

उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन शहर से दूर बाहरी इलाकों में ही वायु रक्षा प्रणालियों की ओर से निष्क्रिय कर दिए गए। मेयर के अनुसार, मॉस्को की ओर आते समय कुल 493 ड्रोन नष्ट किए गए। इससे पहले शुक्रवार को रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रूसी सेना ने पिछले एक सप्ताह में 11 बस्तियों पर कब्जा किया और यूक्रेनी सेना के खिलाफ एक बड़े और नौ सामूहिक हमले किए। मंत्रालय के मुताबिक, ये 11 बस्तियां खारकीव, डोनबास और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में स्थित हैं। रूसी हमलों का निशाना यूक्रेन के रक्षा उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठान, लॉजिस्टिक्स हब, ऊर्जा और परिवहन ढांचा, जमीनी रोबोटिक सिस्टम बनाने वाली इकाइयां, ड्रोन निर्माण केंद्र और उनसे जुड़े अन्य संयंत्र थे। मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल लॉन्चिंग ठिकानों, गोला-बारूद और ईंधन भंडार, आपूर्ति केंद्रों तथा यूक्रेनी सैनिकों और विदेशी लड़ाकों के अस्थायी ठिकानों पर भी हमले किए गए।

अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता टूटी

50% टैरिफ से बढ़ी महंगाई और अनिश्चितता की आशंका

एजेंसी ⏭ ओटावा

कनाडा के साथ व्यापार वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका द्वारा लागू किए गए 50 प्रतिशत नए टैरिफ से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। कनाडाई उत्पादों पर शनिवार से लागू हुए इस शुल्क के जवाब में कनाडा ने भी समान स्तर के जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने चेतावनी दी कि इन शुल्कों से मेन राज्य के कारोबारियों और आम परिवारों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और सीमा पार व्यापार प्रभावित होगा। उन्होंने दोनों देशों से तत्काल वार्ता शुरू करने की अपील की। डेमोक्रेटिक सीनेटर पीटर वेल्च ने इसे उत्तरी सीमावर्ती राज्यों के किसानों और व्यवसायों के लिए बड़ा झटका बताते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इस टकराव को समाप्त करने का आग्रह किया।कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन की ओर से अनुचित और एकतरफा नई शर्तें रखी गई थीं, जिससे व्यापार वार्ता रोकनी पड़ी।

स्कूली रसोइया के वेतन डबल होने व उपहार से खिले चेहरे

चित्रकूट ।माननीय मुख्यमंत्री महोदय उत्तर प्रदेश द्वारा रसोइया सम्मान समारोह एवं कैशलेश चिकित्सा कार्ड वितरण के सजीव प्रसारण दिखाए जाने संबंधी कार्यक्रम ब्लॉक मऊ सभागार में आयोजित किया गया ! तहसील स्तरीय उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी ने रसोइया को बढ़े हुए मानदेय, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हुए एम ओ यू के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा हेतु दो लाख रुपए,प्रतिवर्ष रसोइयों के समस्त परिवार को पांच लाख रुपए तक का निःशुल्क चिकित्सा सुविधा,रसोइयों को प्रतिवर्ष यूनिफॉर्म हेतु मिलने वाले पांच सौ रुपए से एक हजार रुपए करने की जानकारी दी

पुलिस अधीक्षक चित्रकूट की अध्यक्षता में अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं अपर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट पीयूषकांत राय की उपस्थिति में पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के प्रारम्भ में सैनिक सम्मेलन आयोजित कर अधिकारी/कर्मचारीगण की समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली गई

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अमित कुमार मिश्रा आ०/पति नित्यानंद मिश्रा जाति ब्राम्हण, निवासी शीतला वार्ड सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/112 रकबा 180 वर्गमीटर भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत. उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा ' आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 04.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका गंगा राम आ०/पति स्व० परस राम अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-अग्रसेन वार्ड, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2757/1 रकबा 763 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत. उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा ' आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 17.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम-भैयाथान प.ह.न. 13
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मला नाविक पति स्व रामेश्वर जाति केवट निवासी ग्राम भैयाथान. प.ह.न. 13 रा.नि.म. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री स्नेहा नाविक का जन्म दिनांक 08/09/2009 को ग्राम भैयाथान में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री स्नेहा नाविक का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत भैयाथान को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 07/09/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 20/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं हस्पर तिग्गा पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी अनिल तिग्गा गाँव / शहर सुरेशपुर तहसील-पत्थगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-हस्पर तिग्गा (पुराना नाम) से बदल कर ईश्वर तिग्गा (नया नाम) रख लिया है। नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक /पालक द्वारा प्रमाणित) मैं अनिल तिग्गा (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री बिन्दा तिग्गा. गाँव/शहर सुरेशपुर तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम हस्पर तिग्गा (पुराना नाम) से बदल कर ईश्वर तिग्गा (नया नाम) रख लिया है।

अनिल तिग्गा

शपथ पत्र

मैं ऐश्वर्य कुशवाहा आ० शत्रुहन कुशवाहा उम्र लग0-19 वर्ष, जाति-कोईरी निवासीझसिरसी तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ.ग.) का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ, तथा मेरे नाम से आधार कार्ड क्रमांक 2469-1951-5023बना है, जिसमें मेरा नाम एश्वर्य कुशवाहा (ESHVRY KUSHWAHA) एवं मेरे पिता का नाम सत्रुहन (SATRUHAN) तथा जन्मतिथि-08/06/2005 अंकित है। जो त्रुटिपूर्ण है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे कक्षा 10 वीं के अंकसूची क्रमांक-22077758 में मेरा नाम ऐश्वर्य कुशवाहा (AISHWARY KUSHWAHA) एवं मेरे पिता का नाम शत्रुहन कुशवाहा (SHATRUHAN KUSHWAHA) तथा जन्मतिथि-13.06.2007 अंकित है, जो सत्य व सही है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ, कि मेरे अधार कार्ड में अंकित त्रुटिपूर्ण नाम एवं पिता का नाम व जन्मतिथि को विलोपित कराकर, अपने अंकसूची में अंकित वास्तविक नाम एवं पिता का नाम व जन्मतिथि के आधार पर अपने आधार कार्ड में नाम व पिता का नाम तथा जन्मतिथि का सुधार कराना चाहता हूँ, जिसके संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

न्यायालयः तहसीलदार भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)
ईश्तहार
2025-26
ग्राम भटगांव प.ह.नं. 32

श्याम कुमार मानिकपुरी प्रति छ०ग०शासन आम जनता ग्राम भटगांव को सूचित किया जाता है आवेदक श्याम कुमार मानिकपुरी आ० पारस राम उम्र लगभग 24 वर्ष निवासी मकान नंबर 961 भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर उल्लेखित किया गया है कि आवेदक के पिता पारस राम एस.ई.सी.एल. भटगांव में कार्यरत थे जिसकी सेवाकाल में दिनांक 12.12. 2017 को मृत्यु होना बताया गया है। स्व. पारस राम के एस.ई.सी.एल. के सर्विस रिकार्ड में आश्रित में आवेदक का नाम श्याम अंकित है जो त्रुटिपूर्ण होना बताया हैं जबकि आधार कार्ड शैक्षणिक दस्तावेज में आवेदक का नाम श्याम कुमार मानिकपुरी अंकित है। आवेदक के पिता का सर्विस रिकार्ड में आवेदक का नाम भिन्न होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक द्वारा श्याम एवं श्याम कुमार मानिकपुरी दोनों एक ही व्यक्ति का नाम होने के संबंध में प्रमाण पत्र हेतु निवेदन किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/08/2026 तक स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे न्यायालय में आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/08/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुदा से जारी किया गया।

तहसीलदार
भटगांव जिला सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

कुमार एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमती मंजू सोनी पत्नी लड्डू प्रसाद सोनी, उम्र 48 वर्ष, संतोष कुमार सोनी आ० लड्डू प्रसाद सोनी, उम्र-25 वर्ष, दोनों जाति- सोनार निवासी रिंगरोड़ चांदनी चौक लाल बहादुर शास्त्री वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के द्वारा अनावेदकगण अशोक कु ?मार अग्रवाल आ० जयभगवान अग्रवाल, मो० सलीम जावेद आ० अब्दुल सत्तार दोनों निवासी अम्बिकापुर के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 06 मोहल्ला बौरीपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2173/5 रकबा 0.12 एकड़ में से रकबा 0.06 1/2 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 19.03.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदकगण द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-24/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अतुल सिंघल आ० ईश्वरचंद सिंघल, जाति- अग्रवाल निवासी सुभाष वार्ड थाना रोड़ पंचदेव मंदिर के पास मायापुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक कृष्णानंद सिंह आ.स्व. आर०बी० सिंह, जाति क्षत्रिय, निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3467/4866/166 में से रकबा 119 व०मी० भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 04.08.2022 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 1,09, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-21/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लड्डू प्रसाद सोनी आ.स्व. जगरनाथ सोनी, उम्र 53 वर्ष, जाति सोनार निवासी रिंगरोड़ चांदनी चौक लाल बहादुर शास्त्री वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदकगण मो० सलीम जावेद आ० अब्दुल सत्तार, अशोक कुमार अग्रवाल आ० जयभगवान अग्रवाल, दोनों निवासी अम्बिकापुर द्वारा मुख्तारआम अनूप कुमार सोनी आ० जनक प्रसाद के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 06 मोहल्ला बौरीपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2173/5 रकबा 0.12 एकड़ में से रकबा 0.05 1/2 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 05.06.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-24/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौरचन्द्र गुहा आ० धनंजय गुहा निवासी सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 22/2 रकबा 1.000 हे० मेसे 20 डिसमिल भूमि को अनावेदक राकेश कुमार राय आ०विष्णु राय निवासी भगवानपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रुपए 20,80,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.09.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती शशिकला अग्रवाल आ०/पति ज्ञानेश्वर अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी वार्ड नं० 38 अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला अग्रसेन वार्ड, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2757/3, 2758 रकबा 654,869 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 02.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 17.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी भैयाथान जिला - सूरजपुर (छ०ग०)
न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लड्डू प्रसाद सोनी आ.स्व. जगरनाथ सोनी, उम्र 53 वर्ष, जाति सोनार निवासी रिंगरोड़ चांदनी चौक लाल बहादुर शास्त्री वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदकगण श्रवण कुमार, सुनील कुमार जायसवाल आ० छविनाथ प्रसाद जायसवाल, दोनों निवासी डांड़गांव था०तह० उदयपुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) द्वारा मुख्तारआम अनूप कुमार सोनी आ० जनक प्रसाद, नि० अ०पुर के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 06 मोहल्ला बौरीपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2173/4 रकबा 0.04 1/2 एकड़ में से रकबा 0.02 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 05.06.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-24/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

मुख्यमंत्री ने किया 'जशपुरः एक परिचय' पुस्तक का विमोचन

जशपुर की विशिष्ट पहचान और विकास की संभावनाओं को देश-दुनिया के सामने लाने में उपयोगी सिद्ध होगा प्रकाशनः मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान दिल्ली के द्वारा प्रकाशित पुस्तक ह्यजशपुर : एक परिचयह्न का विमोचन किया। यह पुस्तक जशपुर जिले के इतिहास, प्रशासनिक विकास, सुशासन की व्यवस्थाओं, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन, जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक संपदा और विकास की संभावनाओं पर केंद्रित एक व्यापक अध्ययन है। पुस्तक में आजादी के बाद से जशपुर की प्रशासनिक व्यवस्था में आए बदलावों के साथ वर्तमान प्रशासनिक संस्थाओं और कार्यप्रणाली का अध्ययन किया गया है। इस अवसर पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा रायपुर के चेयरमैन भूतपूर्व मुख्य सचिव सुयोग्य कुमार मिश्रा, वाइस चेयरमैन भूतपूर्व अपर मुख्य सचिव डॉ. इंदिरा मिश्रा तथा वाइस चेयरमैन भूतपूर्व मुख्य सचिव तथा वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण प्रकाशन के लिए भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा को बधाई देते हुए कहा कि जशपुर छत्तीसगढ़ के उन विशिष्ट अंचलों में है, जहां प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विरासत के साथ विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। जशपुर की पहचान उसके सुंदर पहाड़ों, घाटियों, नदियों, जलप्रपातों और घने वनों से तो है ही, यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराएं इसे विशिष्ट बनाती हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर की इन विशेषताओं के साथ जिले की विकास यात्रा और प्रशासनिक अनुभवों को एक पुस्तक के रूप में समेटना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र की विकास यात्रा को समझने के लिए वहां के इतिहास, समाज, संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का समग्र

अध्ययन आवश्यक है। ह्यजशपुर : एक परिचयह्न इसी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह पुस्तक केवल जशपुर की वर्तमान तस्वीर प्रस्तुत नहीं करती, बल्कि समय के साथ जिले की प्रशासनिक संरचना और विकास प्रक्रिया में आए परिवर्तनों को समझने का अवसर भी प्रदान करती है। श्री साय ने कहा कि जशपुर का सांस्कृतिक और पारिस्थितिक स्वरूप छत्तीसगढ़ के मैदानी और औद्योगिक क्षेत्रों से अलग है। छोटानागपुर पठार के विस्तारित भू-भाग का हिस्सा होने के कारण यहां की भौगोलिक संरचना, जलवायु, वन संपदा और आजीविका के स्वरूप की अपनी विशिष्टताएं हैं। पीढ़ियों से यहां निवासरत जनजातीय समुदायों ने अपनी परंपराओं, जीवन-पद्धति और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की संस्कृति को संरक्षित रखा है। यही विविधता जशपुर को अध्ययन और विकास, दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण बनाती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बीते वर्षों में जशपुर ने अधोसंरचना, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका संवर्धन और प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की है। विकास की इस यात्रा में यह आवश्यक है कि स्थानीय विशेषताओं और जरूरतों को केंद्र में रखकर भविष्य की योजनाएं तैयार की जाएं। इस प्रकार के अध्ययन प्रशासन को क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को गहराई से समझने और विकास की भावी प्राथमिकताएं तय करने में उपयोगी आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, संचार, रोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार करते हुए स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक संपदा का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जशपुर में विकास और प्रकृति के बीच संतुलन की बड़ी संभावनाएं हैं। कृषि, वनोपज, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों और महिला तथा युवा उद्यमिता को बढ़ावा देकर जिले की अर्थव्यवस्था को और सशक्त बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ के सबसे समृद्ध अंचलों में से एक है। यहां के पहाड़, वन, नदियां, जलप्रपात और सुरम्य घाटियां पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखती हैं।

उपमुख्यमंत्री साव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी विकास कार्यों को निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबे समय से लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ जल्दी पूरा करने को कहा। उपमुख्यमंत्री साव ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्ध प्रगति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों से कहा कि इसमें किसी भी प्रकार

की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों एवं संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में शासन की प्राथमिकता के अनुरूप विकास कार्यों को गति देते हुए उनका लाभ नागरिकों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों की निरंतर समीक्षा एवं स्थल निरीक्षण करते हुए प्रगति पर कड़ी नजर रखने को कहा। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और कार्यों की धीमी प्रगति पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की बात कही।

सड़क हादसे में घायल जवानों से मिले वन मंत्री

अस्पताल पहुंचकर जाना हाल और दिए बेहतर इलाज के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जगदलपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने डिमरापाल स्थित कॉन्टिनेंटल अस्पताल पहुंचकर सड़क दुर्घटना में घायल जवानों का हालचाल जाना और उनके उपचार की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने घायल जवानों के परिजनों से भी आत्मीय बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया और सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का पूरा भरोसा दिलाया। अस्पताल में डॉक्टरों से चर्चा के बाद मंत्री ने बताया कि सभी जवान सुरक्षित हैं और उनका समुचित इलाज जारी है। उन्होंने स्वर्गीय बलिराम कश्यप मेमोरियल मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के अधीक्षक डॉ.

अनुरूप साहू एवं कॉन्टिनेंटल अस्पताल के सहायक महाप्रबंधक डॉ. संतोष कुमार सिंह से जवानों की रिकवरी और उपचार योजना पर विस्तार से विमर्श करते हुए बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि 23 अगस्त को जब वन मंत्री श्री केदार कश्यप ग्राम फरसागुड़ा (भानपुरी) से कोंडागांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान भानपुरी थाना क्षेत्र में कोंडागांव की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने पायलट वाहन को पार करते हुए मंत्री की गाड़ी के साइड मिरर को छू लिया और फिर स्पेयर वाहन से टकराते हुए काफिले के फॉलो वाहन से जा भिड़ी। इस जोरदार टक्कर में फॉलो वाहन के चालक और उसमें सवार पुलिस जवान घायल हो गए थे। हादसे के तुरंत बाद मंत्री कश्यप ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया तथा गंभीर रूप से घायल जवानों को उच्चस्तरीय उपचार के लिए जगदलपुर रेफर कराया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका निरंतर इलाज चल रहा है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने अमरकंटक में किए मां नर्मदा के दर्शन

रायपुर। श्रावण मास के अंतिम सोमवार उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मध्यप्रदेश के पवित्र नर्मदा नगरी अमरकंटक पहुंचकर मां नर्मदा के दर्शन किए। उन्होंने नर्मदा उद्गम स्थल स्थित नर्मदा कुंड में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने नर्मदा कुंड एवं नर्मदा उद्गम स्थल के पवित्र परिसर में पूजा-अर्चना कर मां नर्मदा का आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात उन्होंने जलेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर प्रदेश और प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को अमरकंटक में धार्मिक आस्था का विशेष महत्व रहा।

खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर के खिलाड़ियों को उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री ने कीट वितरण कर बधाई दी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

शहीद राजीव पांडे अवॉर्डी खिलाड़ी लक्की यादव से मिले उपमुख्यमंत्री मंत्री एवं खेल मंत्री

महासमुंद। उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री छत्तीसगढ़ शासन अरुण साव के शनिवार को महासमुन्द प्रवास के दौरान कलेक्टर कार्यालय में अध्यक्ष जिला पैरा स्पोर्टस संघ महासमुंद निरंजन साहू एवं जिला पैरा स्पोर्टस खिलाडी लक्की यादव राजीव पाण्डे अवॉर्ड वर्ष 2025-26 राज्य खेल अलंकरण हेतु चयनित होने पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव ने लक्की यादव को बधाई देते हुए सम्मानित किया। अध्यक्ष, जिला पैरा स्पोर्टस संघ द्वारा दिव्यांग पैरा खिलाड़ियों के खेल गतिविधियों में विकास लाने हेतु दिव्यांग एवं सामान्य खिलाडियों के खेल के प्रति राष्ट्रीय भाव उत्पन्न करने हेतु समावेशी खेल एकेडमी (आवासीय एवं गैर आवासीय) संचालन के संबध में मांग पत्र माननीय मंत्री जी को सौंपा गया, जिसमें खिलाडियों का निरंतर अभ्यास, पोषण, आहार व्यवस्था तथा तकनीकी प्रशिक्षण हेतु

आवश्यक सुझाव रखा गया। इस अवसर पर मंत्री साव के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से मांग पत्र पूरी करने हेतु आश्वासन दिया गया। उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव द्वारा खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा संचालित खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग के खिलाड़ियों से मुलाकात व परिचय प्राप्त कर खेल कीट का वितरण कर बधाई एवं आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, अपर कलेक्टर रवि साहू, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, अन्य जिला अधिकारी, प्राचार्य एकलव्य भोरिंग महेंद्र टंडन, एन आई एस तीरंदाजी प्रशिक्षक एवन कुमार साहू, व्यायाम शिक्षक एकलव्य भोरिंग नीलम साहू एवं खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर के खिलाड़ी उपस्थित रहे। वर्तमान में 60 खिलाड़ी तीरंदाजी अभ्यास करने खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य भोरिंग में पहुंच रहे हैं।

31 आईपीएस अफसरों के तबादले, कई को मिला अतिरिक्त प्रभार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा के 31 वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। आदेश गृह विभाग के सचिव हिम शिखर गुप्ता के हस्ताक्षर से जारी हुआ है।

प्रमुख अधिकारियों की नई जिम्मेदारियां -

पवन देव (1992 बैच): अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (छ.ग. पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन) से महानिदेशक (नगरसेना एवं नागरिक सुरक्षा तथा अग्निशमन सेवाएं)।

गुरजिंदर पाल सिंह (1994 बैच): पुलिस मुख्यालय में पदस्थ महानिदेशक से महानिदेशक (प्रशिक्षण एवं राज्य पुलिस अकादमी)।

एस.आर.पी. कल्लूरी (1994 बैच): अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन एवं चयन) से प्रबंध संचालक (छ.ग. पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन)।

प्रदीप गुप्ता (1995 बैच): अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन एवं चयन) के साथ संचालक (अभियोजन) का अतिरिक्त प्रभार।

विवेकानंद (1996 बैच): वर्तमान दायित्वों (नक्सल ऑपरेशंस/एसआईबी/एसटीएफ) के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (वित्त, योजना एवं प्रबंध) का अतिरिक्त प्रभार।

दीपांशु विजय काबरा (1997 बैच): वर्तमान दायित्वों के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (रेल एवं यातायात)।

अमित कुमार (1998 बैच): वर्तमान कार्य (गुप्तवार्ता) के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) का अतिरिक्त प्रभार।

अन्य महत्वपूर्ण पदस्थापनाएं -

डॉ. आनंद छाबड़ा (2001 बैच) - एडीजी (तकनीकी सेवाएं, डायल 112 एवं दूरसंचार)

ओमप्रकाश पॉल (2003 बैच) - आईजी (कानून व्यवस्था/सुरक्षा)

अंकित कुमार गर्ग (2004 बैच) - आईजी (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं एसआईए)

ध्रुव गुप्ता (2005 बैच) - आईजी (सीआईडी, सीसीटीएनएस और एससीआरबी)

बालाजीराव सोमावार (2007 बैच) - आईजी (अजाक)

प्रशांत कुमार अग्रवाल (2008 बैच) - आईजी (एस4सी एवं तकनीकी सेवाएं)

मिलना कुर्रे (2008 बैच) - आईजी (छसबल)

पारूल माथुर (2008 बैच) - डीआईजी (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स)

मनीष शर्मा (2009 बैच) - डीआईजी (प्रशासन एवं चयन)

अभिषेक मीणा (2010 बैच) - डीआईजी (छसबल, बस्तर)

सदानंद कुमार (2010 बैच) - डीआईजी (छसबल, पुलिस मुख्यालय)

गिरिजा शंकर जायसवाल (2010 बैच) - डीआईजी (एस4सी एवं तकनीकी सेवाएं)

एम.एल. कोटवानी (2010 बैच) - डीआईजी (गुप्तवार्ता, विशेष शाखा)

प्रशांत कुमार ठाकुर (2011 बैच) - डीआईजी (सीसीटीएन एस एवं एससीआरबी)

अजातशत्रु बहादुर सिंह (2011 बैच) - डीआईजी (नगर सेना, राज्य आपदा प्रबंधन बल एवं निदेशक अग्निशमन सेवाएं)

विवेक शुक्ला (2012 बैच) - डीआईजी (सुरक्षा)

राजेश कुकरेजा (2012 बैच) - डीआईजी (वित्त, योजना एवं प्रबंध)

श्वेता राजमणी (2012 बैच) - डीआईजी (दूरसंचार एवं डायल 112)

रामकृष्ण साहू (2012 बैच) - डीआईजी (सीआईडी)

मोहित गर्ग (2013 बैच) - एआईजी (प्रशासन एवं चयन)

रवि कुमार कुर्रे (2014 बैच) - एआईजी (सीआईडी)

यदुवली अक्षय कुमार (2018 बैच) - एआईजी (सीसीटीएन एवं संयुक्त परिवहन आयुक्त सड़क सुरक्षा)

चिराग जैन (2020 बैच) - सेनानी (18वीं बटालियन, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी)

अंजली विश्वकर्मा (2021 बैच) - एआईजी (यातायात)

बिलासपुर में बीपीसीएल के सीबीजी प्लांट का रास्ता साफ, एनजीटी ने खारिज की याचिका, लगाया जुर्माना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। ग्राम कछार में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रस्तावित कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट का रास्ता साफ हो गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की भोपाल स्थित सेंट्रल जोनल बेंच ने जमीन आवंटन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है और याचिकाकर्ता पर जुमार्ना भी लगाया है।

क्या था विवाद?

ग्राम कछार में मेसर्स एन्वायरोकेयर इंटरनेशनल कंपनी कई वर्षों से बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट संचालित कर रही है। बिलासपुर नगर निगम ने इसके समीप की जमीन बीपीसीएल को सीबीजी प्लांट के लिए आवंटित की थी। निजी कंपनी ने एनजीटी में याचिका लगाकर दावा किया था कि उसका प्लांट रेड कैटेगरी में आता है और उसके आसपास 500 मीटर से 1 किमी तक का बफर जोन होना चाहिए, इसलिए पास में दूसरा प्लांट नहीं लगना चाहिए। नगर निगम की ओर से अधिवक्ता अनादि शर्मा ने पैरवी की।

एनजीटी ने कहा - सीबीजी प्लांट व्हाइट कैटेगरी में

एनजीटी ने सुनवाई के बाद कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के नियमों के अनुसार कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट व्हाइट कैटेगरी में आता है। यह जैविक कचरे से ऊर्जा तैयार करने वाला ग्रीन प्रोजेक्ट है। सीपीसीबी की बफर जोन गाइडलाइंस रिहायशी और संवेदनशील क्षेत्रों के लिए हैं, दो वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट्स के बीच अनिवार्य बफर जोन लागू नहीं

होता। सुनवाई में यह भी सामने आया कि याचिकाकर्ता कंपनी ने 2019 में अनुबंध रिन्यू कराते समय खुद दो वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट्स के बीच 10 मीटर की दूरी और ग्रीन बेल्ट को पर्याप्त बताया था। एनजीटी ने इस विरोधाभास पर नाराजगी जताते हुए याचिका खारिज कर दी।

10 एकड़ में 100 करोड़ का प्रोजेक्ट

कछार में करीब 10 एकड़ जमीन पर 100 करोड़ की लागत से सीबीजी प्लांट प्रस्तावित है। कानूनी विवाद के कारण काम करीब एक साल प्रभावित रहा। यह प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी मिशन 2.0 के तहत है, जिसका शिलान्यास मार्च 2025 में हुआ था। बीपीसीएल ने मई 2026 में चेन्नई की एस बेरी कंपनी को निर्माण सौंपा है। अब नई डेडलाइन मई 2027 तय की गई है। प्लांट में रोजाना करीब 150 टन जैविक कचरे से 7 टीपीडी सीबीजी तैयार की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में कहां-कहां लगेंगे सीबीजी प्लांट?

बीपीसीएल की योजना 5 शहरों में प्लांट लगाने की है -

रायपुरः 7 टीपीडी, भिलाईः 7 टीपीडी, धमतरीः 15 टीपीडी, बिलासपुरः 7 टीपीडी, राजनांदगांवः 15 टीपीडी वहीं अंबिकापुर, रायगढ़ और कोरबा में गेल द्वारा 12 से 15 टीपीडी क्षमता के प्लांट प्रस्तावित हैं।

जिले में सुरक्षा व्यवस्था की बेहतरी हेतु समन्वय के साथ कार्य करें विभाग : कलेक्टर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के संबंध में सोमवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बैठक लेकर जिले की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में आगामी मिलाद-उन-नबी एवं रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जिले में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा गया।इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, जगन्नाथ वर्मा, एसडीओपी अभिषेक पैकरा, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं देने के निर्देश

कलेक्टर ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति को देखते हुए सड़क सुरक्षा के उपायों की समीक्षा की। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार रंबल स्ट्रिप, सड़क संकेतक, साइन एजेंस एवं पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसमें नेशनल हाईवे सहित एक्सीडेंट प्रोन एरिया में सभी आवश्यक यातायात संकेतक लगाने तथा सड़कों की कमियों को दूर करने के निर्देश भी दिए गए। आरटीओ विभाग को ओवरलोडेड वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते तथा स्कूल बसों एवं स्कूल वैन की जांच कर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया। हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाने तथा बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल नहीं दिए जाने संबंधी व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने सड़कों पर मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ऐसे स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश दिए, जहां अक्सर मवेशी सड़क पर बैठते हैं। उन्होंने सुरक्षा उपायों के साथ मवेशियों को सड़क से हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी स्कूल प्रशासन को निर्देशित किया कि नाबालिग के वाहन चलाने पर होने वाली कार्रवाई के संबंध में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाए।अभिभावकों से भी नाबालिगों को वाहन न देने के लिए जागरूक करने को कहा गया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आगामी मिलाद-उन-नबी एवं रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कानून व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों को संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, जुलूस एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती करने के निर्देश दिये। बैठक में धरना-प्रदर्शन, रैली एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को ऐसे आयोजनों की पूर्व सूचना एवं अनुमति की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संवेदनशील स्थानों पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों में फैलने वाली भ्रामक अथवा अफवाहजनक सूचनाओं पर भी निगरानी रखने को कहा गया।

एसपी ने दिवंगत प्रधान आरक्षक के पुत्र को दी आरक्षक के पद अनुकम्पा नियुक्ति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने सोमवार को दिवंगत प्रधान आरक्षक के पुत्र विकास सिंह को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान किया है। उन्होंने बताया इनके दिवंगत पिता प्रधान आरक्षक मनोज सिंह जिले में पदस्थ थे। नौकरी के दौरान आकस्मिक मृत्यु होने पर आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने अनुकंपा नियुक्त के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अनुकंपा नियुक्ति संबंधी सभी कार्रवाई जल्द पूरी करते हुए नियुक्ति देने के निर्देश दिए थे। सोमवार को विकास सिंह को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। इस दौरान नवनियुक्त आरक्षक की माँ बबीता सिंह व भाई आकाश सिंह उपस्थित रहे।

28 से पूर्व वेतन भुगतान हेतु छ.ग. तृ. वर्ग शा. कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ की जिला इकाई ने जिले के शासकीय कर्मचारियों को 28 तारीख से पूर्व वेतन भुगतान करने की मांग का ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। सौंपे ज्ञापन के माध्यम से संघ ने अवगत कराया है कि आगामी रक्षाबंधन पर्व 28 अगस्त को मनाया जाना है। इस अवसर पर शासकीय कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों को पर्व से पूर्व आवश्यक सामग्री की खरीदारी एवं अन्य तैयारियों के लिए आर्थिक आवश्यकता होती है। संघ के पदाधिकारियों ने मांग

की है कि जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित कर सभी शासकीय कर्मचारियों का अगस्त माह का वेतन रक्षाबंधन पर्व से पूर्व भुगतान कराया जाए, ताकि कर्मचारी एवं उनके परिवार पर्व की तैयारियां समय पर कर सकें।

संघ ने जिला प्रशासन से कर्मचारियों की इस मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ज्ञापन के दौरान मनीष दीपक साहू जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, महेश पैकरा महासचिव, अनुरंजन सिंह देव, अमरनाथ चौबे एवं अन्य साथी उपस्थित थे।

पंप चोरी मामले में झूठी रिपोर्ट में फंसाने का आरोप

0 ग्रामीणों ने एसपी से की शिकायत 0 जांच और कार्रवाई की मांग की

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम द्वारिकानगर एवं आसपास के गांवों में किसानों के पंप चोरी का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। मामले को लेकर ग्राम द्वारिकानगर एवं ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कुछ लोगों पर पंप चोरी के मामले में झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने, ग्रामीणों पर दबाव बनाने तथा वास्तविक आरोपियों को बचाने का प्रयास करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों की शिकायत के अनुसार, गांव में किसानों के सिंचाई पंप सहित केबल, पीडीएस दुकान का सामान एवं अन्य सामग्री चोरी होने की घटनाएं सामने आई हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंप चोरी के मामले में कृष्णा पंडो उर्फ छोटन एवं अन्य लोगों की भूमिका को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी दी थी। इसके बाद कुछ संदिग्ध लोगों के नाम सामने आने के बावजूद मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि राहुल दुबे, हिरेन्द्र सिंह और अमित सिंह द्वारा कथित रूप से झूठी रिपोर्ट के माध्यम से पंप मालिक हीराधन एवं भूपेन्द्र राजवाड़े के खिलाफ दबाव बनाने और उन्हें फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के बजाय कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने से वास्तविक स्थिति सामने नहीं आ पा रही है। ग्रामीणों ने शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि पुलिस को पूर्व में चोरी की घटना और उसमें शामिल लोगों के संबंध में जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद कई आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। वहीं, चोरी के पंपों को बरामद कर वास्तविक मालिकों को वापस दिलाने की मांग भी की गई है। शिकायत में ग्राम द्वारिकानगर एवं आसपास के क्षेत्रों के कई ग्रामीणों के पंप चोरी होने का उल्लेख किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि चोरी की घटनाओं के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके बावजूद मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बढ़ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस के कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। शिकायत में पुलिस कर्मचारियों पर आरोपियों से मिलीभगत करने और मामले को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि राहुल दुबे, हिरेन्द्र सिंह एवं अमित सिंह द्वारा कथित रूप से दर्ज कराई गई रिपोर्ट की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही पंप चोरी के मामले में शामिल सभी संदिग्धों की जांच कर चोरी गए पंप एवं अन्य सामान बरामद कराया जाए तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

महुआ पेड़ में फांसी पर झूलता मिला युवक का शव, पास बैठी मिली महिला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। ग्राम पंचायत करौटी ए के परसापारा में सोमवार दोपहर एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। युवक का शव महुआ के पेड़ पर फंदे से लटका हुआ मिला। दिनदहाड़े हुई इस घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

युवक का शव पेड़ पर लटका हुआ मिलने के बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी ग्राम पंचायत के सरपंच को दी। इसके बाद सरपंच द्वारा पुलिस को घटना की सूचना दी गई। घटना को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आ रही है कि युवक के शव के पास ही एक महिला बैठी हुई थी। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार महिला घटना के

संबंध में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बता रही थी। महिला कौन है, मृतक से उसका क्या संबंध है और वह घटना स्थल पर किस परिस्थिति में पहुंची, इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। महिला की मौजूदगी ने मामले को और गंभीर बना दिया है। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा रहा है। ग्राम पंचायत करौटी ए के सरपंच गजमोचन सिंह के अनुसार, पुलिस द्वारा बताया गया है कि अभी तक मृतक के परिजनों की ओर से थाने में किसी प्रकार की रिपोर्ट या शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस परिजनों के आने और शिकायत दर्ज होने का इंतजार कर रही है। चांदनी थाना प्रभारी राम प्रताप साहू ने बताया कि उन्हें भी घटना की जानकारी सरपंच के माध्यम से मिली है।अभी तक मृतक के परिजनों की ओर से थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि शव के पास एक महिला के बैठे होने की जानकारी मिली है, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि महिला कौन है और कहां की रहने वाली है। पुलिस जांच के दौरान महिला सहित आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाएगी। युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के पीछे क्या कारण रहा, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका गंगा राम आ०/पति स्व० परस राम अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला अग्रस.न वार्ड, शीट नम्बर–8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2757/1 रकबा 763 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदकध्आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 17.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती शशिकला अग्रवाल आ०/पति ज्ञानेश्वर अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी वार्ड नं० 38 अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला अग्रसेन वार्ड, शीट नम्बर–8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2757/3, 2758 रकबा 654, 869 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 17.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

रामानुजनगर में पहली बार सजा भव्य सावन श्रृंगार मेला, सोनम साहू बनीं सावन क्वीन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सावन के पावन महीने की उमंग, पारंपरिक सौंदर्य और लोक संस्कृति को समर्पित ''सावन श्रृंगार मेले'' का भव्य आयोजन पहली बार रामानुजनगर स्थित होटल अन्नपूर्णा में संपन्न हुआ। इस गरिमामय कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में श्रीमती नूतन सिंह तथा इसे अंतिम रूप देने में श्रीमती प्रतिमा द्विवेदी की सराहनीय भूमिका रही। मेले में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और पारंपरिक वेशभूषा एवं साज-श्रृंगार के साथ अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान सावन सुंदरी, मेहंदी सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने अपने हुनर से सभी का मन मोह लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ग्राम पंचायत नारायणपुर की श्रीमती सोनम साहू को सावन क्वीन के खिताब से नवाजा गया, जबकि रामानुजनगर की श्रीमती आरती साहू फर्स्ट रनर अप तथा सूरजपुर की श्रीमती चांदनी सेकंड रनर अप रहीं।

सावन क्वीन का खिताब जीतने के बाद श्रीमती सोनम साहू ने आयोजन को सार्थक बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम ने हमारी संस्कृति के अनुपम रंगों को एक मंच पर पिरोने का काम किया है और सभी महिलाओं ने सावन की पारंपरिक वेशभूषा तथा श्रृंगार के साथ पूरे आत्मविश्वास से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मेले के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक सावन गीतों, नृत्य, मेहंदी और रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई, जिससे पूरे परिसर में दिनभर उल्लास और उत्सव का वातावरण बना रहा। महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ सावन की खुशियां साझा करते हुए आपसी मेल-जोल को बढ़ावा दिया, जिसे सामाजिक एकजुटता की दिशा में सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर करें त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान : रेना जमील

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त आवेदनों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने प्रकरणों के निपटारे की स्थिति के साथ-साथ समाधान की गुणवत्ता और नागरिकों से मिले फीडबैक को भी बारीकी से परखा।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि प्रकरण प्राप्त करने व बंद करने के बाद आवेदकों से संपर्क कर यह अवश्य जाँचें कि उन्हें वास्तव में राहत मिली है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निपटारा महज औपचारिकता नहीं, बल्कि आवेदक की वास्तविक संतुष्टि की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए। राजस्व सहित विभिन्न विभागों से जुड़े प्रकरणों पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने लंबित मामलों, नियत अवधि पार कर चुके आवेदनों तथा वर्तमान में सर्वाधिक दर्ज हो रही शिकायतों का बिंदुवार विश्लेषण किया। उन्होंने संबंधित विभागों को ऐसे मामलों की जड़ तक पहुँचकर त्वरित एवं स्थायी हल निकालने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आम नागरिक बड़ी उम्मीद के साथ मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का सहारा लेते हैं, इसलिए हर आवेदन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तय समय में कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने विभाग प्रमुखों को ताकीद की कि विभागीय स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से तय कर ड्यूटी लगाई जाए, ताकि कोई भी मामला अनावश्यक रूप से अटका न रहे। बैठक में स्वास्थ्य विभाग तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्यों की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने टीबी मुक्त सूरजपुर की दिशा में युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति तथा सुदूर एवं पहुँचविहीन क्षेत्रों तक उनकी उपलब्धता पर सतत निगरानी रखने पर बल दिया। बरसात के मौसम को देखते हुए उन्होंने मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसे वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक अमले को सख्त मॉनिटरिंग तथा व्यापक जागरूकता अभियान चलाने को कहा।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि घरों के आसपास अथवा छतों पर रखे कूलर, टायर और डिब्बों में पानी ठहरने न पाए तथा लार्वा नष्ट करने की कार्रवाई निरंतर चलती रहे। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की नालियों की नियमित सफाई तथा जलभराव वाले स्थानों पर कीटनाशक या मिट्टी का तेल डालने पर जोर दिया। साथ ही विद्यालयों और स्थानीय स्तर पर आमजन को इन रोगों के लक्षणों एवं बचाव के उपायों से अवगत कराने की बात कही। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की प्रगति पर भी कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि योजना के तहत ड्रिप एवं स्प्रिंकलर आधारित सूक्ष्म सिंचाई का अधिकाधिक विस्तार कर खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता बढ़ाई जाए। कलेक्टर ने ''प्रति बूंद अधिक फसल'' के ध्येय को रेखांकित करते हुए कहा कि सटीक जल प्रबंधन से फसलों की उत्पादकता के साथ किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने ग्राम स्तर तक व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र किसानों तक योजना का लाभ समय पर पहुँचाने तथा जल स्रोत सृजन, जल भंडारण एवं संरक्षण से जुड़े कार्यों में गति लाने की अपेक्षा जताई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, सभी एसडीएम व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कोरिया फ्रंटलाइन

कृषि चेतना समागम 2026 में गूंजा कृषि अधिकारियों की एकता का संकल्प

समस्याओं एवं संवर्गीय मांगों पर हुई सार्थक चर्चा

छ.ग. फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। कता संघर्ष अधिकार के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ द्वारा रविवार को जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में कृषि चेतना समागम 2026 का आयोजन किया गया। अमृत सदन, जनपद पंचायत सभाकक्ष मनेन्द्रगढ़ में आयोजित इस समागम में एमसीबी एवं कोरिया जिले के कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष लिखेश वर्मा एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्यों के दो दिवसीय सरगुजा संभाग प्रवास के दौरान आयोजित यह कार्यक्रम प्रांतीय नेतृत्व एवं मैदानी स्तर पर कार्यरत कृषि अधिकारियों के बीच सीधे संवाद, विचार-विमर्श और संगठनात्मक समन्वय का महत्वपूर्ण मंच बना।

मैदानी समस्याओं पर खुलकर हुआ संवाद

समागम में कृषि अधिकारियों ने वर्तमान समय में मैदानी स्तर पर कार्य करते हुए सामने आने वाली विभिन्न व्यावहारिक एवं विभागीय समस्याओं, बढ़ते कार्यदायित्व, संसाधनों, तकनीकी कार्यों तथा मैदानी कार्यों के दौरान आने वाली चुनौतियों को प्रांतीय नेतृत्व के समक्ष रखा। प्रांतीय अध्यक्ष लिखेश वर्मा एवं प्रांतीय कार्यकारिणी ने अधिकारियों की बातों को गंभीरता से सुना तथा कहा कि मैदानी स्तर पर कार्य करने वाले कृषि अधिकारियों की वास्तविक समस्याओं को संगठन की आवाज बनाकर उचित मंच तक पहुंचाना संघ की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

लंबित मांगों एवं संवर्गीय हितों पर भी मंथन

कार्यक्रम में संघ की लंबित मांगों, संवर्गीय हितों एवं कृषि अधिकारियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रांतीय नेतृत्व द्वारा वर्तमान में मांगों को लेकर संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी गई। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि संवर्ग के अधिकारों एवं जायज मांगों के लिए संगठित, लोकतांत्रिक एवं प्रभावी प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

मजबूत संगठन ही मजबूत आवाज

समागम का प्रमुख केंद्र संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं एकजुट बनाने का विषय रहा। प्रांतीय नेतृत्व ने सभी कृषि अधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता, आपसी समन्वय एवं एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया।

अधिकारियों ने भी संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि संवर्गीय हितों, अधिकारों एवं जायज मांगों के लिए सभी अधिकारी एकजुट होकर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे।

एमसीबी में प्रांतीय नेतृत्व का प्रथम ऐतिहासिक आगमन

जिला एमसीबी में प्रांतीय अध्यक्ष एवं प्रांतीय कार्यकारिणी का आगमन जिले के कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारियों के लिए विशेष अवसर रहा। कार्यक्रम ने एमसीबी एवं कोरिया के कृषि अधिकारियों तथा प्रांतीय नेतृत्व के बीच आत्मीय संवाद और बेहतर समन्वय की नई दिशा तय की।

समागम के दौरान प्रांतीय अध्यक्ष श्री लिखेश वर्मा एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्यों का जिला एमसीबी एवं कोरिया के कृषि अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए उपस्थित अधिकारियों ने जिला इकाई एमसीबी की पहल की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के संवाद एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रांतीय कार्यालयीन सचिव एवं जिलाध्यक्ष एमसीबी दीपक कुमार साहू जी ने कहा कि कृषि चेतना समागम केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मैदानी स्तर पर कार्यरत कृषि अधिकारियों की आवाज को प्रांतीय नेतृत्व तक पहुंचाने और संगठनात्मक एकता को और मजबूत करने का एक सार्थक प्रयास है। हमारा प्रयास रहेगा कि जिले के प्रत्येक कृषि अधिकारी की समस्या और सुझाव संगठन के माध्यम से उचित मंच तक पहुंचे।

कार्यक्रम का समापन संगठन की एकता, संवर्गीय हितों की रक्षा एवं कृषि अधिकारियों के अधिकारों के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

जनकपुर-कोटाडोल में कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक में जनहित के मुद्दों पर गहन मंथन

छ.ग. फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़/जनकपुर (एमसीबी)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जनकपुर एवं कोटाडोल की एक महत्वपूर्ण बैठक 23 अगस्त को जनकपुर में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की जनसमस्याओं एवं प्रदेश में भाजपा सरकार की नीतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा आगामी आंदोलन एवं जनहित के कार्यक्रमों की रणनीति पर मंथन किया गया। बैठक में स्मार्ट मीटर वापस करो अभियान, बढ़ते बिजली बिल, लगातार बिजली कटौती, बढ़ती महंगाई तथा पंचायतों में 100 रुपए कर वसूली जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि इन मुद्दों का सीधा प्रभाव आम जनता, ग्रामीणों, किसानों और गरीब परिवारों पर पड़ रहा है। भाजपा सरकार चुनाव के समय किए गए वादों को भूलकर आम जनता पर लगातार आर्थिक बोझ डाल रही है। बिजली के बढ़ते बिल और स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में असंतोष है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस जनता की आवाज बनकर इन मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि जनकपुर, कोटाडोल और दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों की जनता पहले से ही मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रही है। ऐसे में बिजली कटौती, बढ़े हुए बिजली बिल और नए करों का बोझ जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर जनता की समस्याओं को उठाएंगे और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज बुलंद करेंगे।

ब्लॉक प्रभारी रवि प्रताप सिंह ने कहा कि कांग्रेस संगठन को बूथ और पंचायत स्तर तक मजबूत करते हुए जनहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनता के बीच जाने और उनकी समस्याओं को सामने लाने का आह्वान किया।

बैठक में केंद्र की भाजपा सरकार की बढ़ती महंगाई तथा राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर भी नेताओं ने चिंता व्यक्त की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महंगाई ने आम परिवारों का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है और सरकार को जनता को राहत देने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

बैठक में कोटाडोल ब्लॉक प्रभारी अवधेश सिंह, रामप्रकाश मानिकपुरी, रामू सिंह, संजू गुप्ता, विनीत सिंह, लालसाय बैगा, सौरव सिंह, दिलकरन, शिवम् प्यासी, शहबाज़, कमल जोगी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने जनहित से जुड़े मुद्दों पर एकजुट होकर भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ आगामी दिनों में चरणबद्ध तरीके से आवाज उठाने का संकल्प लिया।

सावन के आखिरी व चौथे सोमवार को सिध्दबाबा धाम मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

कांवरिया संघ द्वारा निकाली गई विशाल भव्य कांवर यात्रा

छ.ग. फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। सावन के आखिरी व चौथे सोमवार को शहर के आस्था का प्रतीक सिध्दबाबा धाम मंदिर सहित समूचे एमसीबी जिले के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही हर हर महादेव की गूंज गूंजने लगी थी। वहीं कांवरियों का जत्था अलग अलग टोली में कांवर यात्रा निकालकर सिध्दबाबा धाम मंदिर में भगवान सिध्देश्वर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। मनेन्द्रगढ़ कांवरिया संघ द्वारा पिछले साल की भांति इस वर्ष भी सावन माह के आखिरी सोमवार को बाजे गाजे व भव्य झांकी के साथ विशाल कांवर यात्रा निकाली गई। भारी संख्या में कांवरियों ने हसदेव गंगा तट से कांवर में जल लेकर हर हर महादेव के जय घोष के साथ सिध्दबाबा धाम मंदिर पहुंचकर भगवान सिध्देश्वरनाथ भोलेनाथ की विधि विधान से पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। सिध्दबाबा धाम मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचनी शुरू हो गई थी। सावन के आखिरी सोमवार को श्रद्धालुओं ने भारी भीड़ के साथ लंबी कतार लगाकर भगवान सिध्देश्वरनाथ भोलेनाथ की विधि विधान से पूजा अर्चना कर जलाभिषेक कर अपने घर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। भगवान सिध्देश्वर भोलेनाथ मनेन्द्रगढ़ शहर सहित समूचे कोयलांचल क्षेत्र का आस्था का प्रतीक हैं । भगवान भोलेनाथ के भक्त बिजुरी व खोंगापानी से विशाल कांवर यात्रा निकालकर सिध्दबाबा धाम मंदिर पहुंचकर भगवान सिध्देश्वरनाथ भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। सिध्दबाबा धाम मंदिर सहित एमसीबी जिले के सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना कर जलाभिषेक व रुद्राभिषेक किया गया। सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही हर हर महादेव की गूंज, गूंज रही थी। शिव मंदिरों में जगह जगह भोग भंडारा का आयोजन किया गया था जहां पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच कर भोग भंडारा का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों और नाबालिग वाहन चालकों पर मनेंद्रगढ़ पुलिस की सख्ती

वाहन जप्त कर लगाया जा रहा 10000 रुपए व 25000 रुपए का जुर्माना

छ.ग. फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह (आईपीएस) के निर्देश एवं अति. पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा के मार्गदर्शन पर जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में शराब के नशे में वाहन चलाने वाले चालकों और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाये जाने के मामलों पर पुलिस ने सख्ती बरती है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाये गये अभियान के दौरान मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्यवाही की गई। थाना मनेन्द्रगढ़ 03, चिरमिरी 02, जनकपुर 02 कुल 07प्रकरण सहित अन्य थाना क्षेत्रों में एमव्ही एक्ट की कार्यवाही दर्ज की गई है । वहीं नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों में भी थाना मनेंद्र गढ़ 04, थाना खड़गवा 04, जनकपुर 02, झगराखंड 01 कुल 11प्रकरण सहित अन्य थाना क्षेत्रों में एमव्ही एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। एमसीबी जिला पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शराब के नशे में वाहन चलाना स्वयं चालक के साथ साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिये भी गंभीर खतरा पैदा करता है। इसी तरह नाबालिगों /स्कूली बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देना भी दुर्घटनाओं की आशंका को बढ़ाता है। ऐसे मामलों में वाहन चालकों और अभिभावकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह के निर्देशन में जिले में यातायात जागरूकता अभियान लगातार जारी है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि शराब का सेवन कर वाहन ना चलायें। नाबालिग बच्चों को वाहन ना दें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

पुलिस का उद्देश्य कार्यवाही के साथ साथ सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

जिलों में स्वीकृत गौधामों को अविलंब खोलने की मांग

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छ.ग. फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। गौधाम योजनान्तर्गत जिलों में स्वीकृत गौधामों को अविलंब चालू करने संबंधी ज्ञापन पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शरण सिंह द्वारा जिला कलेक्टर एमसीबी को दिया गया है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य शरण सिंह ने इस संबंध में प्रेस को जानकारी देते हुए बतलाया कि खुले में मवेशियों के अनियंत्रित होकर विचरण के कारण आये दिन सडक दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिससे असमय नागरिकों के जान माल की क्षति हो रही है। कई लोगों के घर बार उजड़ जा रहा है। अनेक लोगों का जीने का सहारा छिन जा रहा है। इसके अलावा कृषि कार्य भी इस समय जोरो से चल रहा है।

खेत में भी फसल भी खडी हो गई है और लहलहा रही है। उक्त फसलों को खूले में घूम रहे मवेशी बहूत नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिले की सडकों में पशु/मवेशी कहीं भी सडक में बैठे अथवा घूमते नजर आ जायेंगे। ग्राम पंचायत, नगरपालिका, नगर पंचायत किसी का भी ध्यान इस ओर नही है। इन सब से बचाव हेतु उन्होंने अविलंब जिले में गौधाम स्वीकृत कर संचालित करने की मांग जिला कलेक्टर से की है। आशा है जिला कलेक्टर जन हित में इस दिशा में विशेष ध्यान देकर त्वरित समाधान करने का कष्ट करेंगे।

टेट मुक्ति रैली के लिए आज जुटेंगे शिक्षक

छ.ग. फ्रंटलाइन बलरामपुर। शिक्षक संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर आज बलरामपुर में जिला स्तरीय टेट मुक्ति रैली निकाली जाएगी। जिलेभर के शिक्षक बुधवारी बाजार प्रांगण में जुटेंगे। मोर्चा के जिला संचालक पवन सिंह ने बताया कि मांगों में टेट की अनिवार्यता समाप्त करना, पुरानी सेवा अवधि जोड़कर पेंशन अधिकार देना, वेतन विसंगति दूर करना, त्रुटिपूर्ण पदोन्नति नियम निरस्त करना और बीएड शिक्षकों के लिए ब्रिज कोर्स की व्यवस्था शामिल है। शिक्षकों से एक दिन का आकस्मिक अवकाश लेकर रैली में शामिल होने की अपील की गई है।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से छात्र की मौत, एक घायल

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महामाया मंदिर के पास इन्द्रावटिका शादी घर के सामने अज्ञात पिकअप ने एक छात्र को टक्कर मार दी। हादसे में छात्र की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान अक्षत सिंह (14) निवासी खाला, दरिमा के रूप में हुई है। वह मोंटफोर्ट स्कूल में पढ़ता था। बताया जा रहा है कि वह किसी दोस्त के साथ अंबिकापुर आया था। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप चालक ने उसे ठोकर मार दी और फरार हो गया। घायल छात्र को मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर के चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अज्ञात पिकअप वाहन की तलाश कर रही है।

कलेक्टर ने बच्चों के साथ झूला झूला, खेला वॉलीबाल, सुने सपने और सुझाव

छ.ग. फ्रंटलाइन कोरिया। जिले के स्वामी आत्मानंद स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए रविवार का दिन जीवनभर याद रहने वाला बन गया। आकांक्षी विकासखण्ड बैकुंठपुर में कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव की अभिनव पहल 'कलेक्टर्स-15-जहां सपने मिलते हैं नेतृत्व से' के दूसरे सत्र में विद्यार्थियों को कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर कलेक्टर से सीधे संवाद करने, अपने विचार साझा करने और उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में उपलब्ध करियर विकल्पों, मेडिकल शिक्षा और इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

'विजनरी-15' में सपनों को मिली दिशा'

'कलेक्टर्स-15' के दूसरे सत्र में 'विजनरी-15' की अवधारणा पर विद्यार्थियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने विद्यार्थियों से उनके सपनों, लक्ष्यों, रुचियों और भविष्य की योजनाओं को लेकर संवाद किया।

उन्होंने कहा कि विजनरी यानी दूरदृष्टि रखने वाला व्यक्ति केवल अपने भविष्य के बारे में नहीं सोचता, बल्कि समाज और देश के लिए भी बेहतर करने का संकल्प रखता है। विद्यार्थियों को अपने सपनों को स्पष्ट लक्ष्य में बदलने, उसके लिए योजना बनाने और निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया।

'कलेक्टर ने बच्चों के साथ झूला झूला, खेला वॉलीबाल और शतरंज'

कार्यक्रम का सबसे आत्मीय पहलू यह रहा कि कलेक्टर निवास पर विद्यार्थियों ने अधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि परिवार जैसे माहौल में संवाद किया। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने बच्चों के साथ झूला झूला, वॉलीबाल और शतरंज खेला। छात्राओं ने कलेक्टर के बालों में फूल लगाए, वहीं विद्यार्थियों ने बांस से फूल बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कलेक्टर को अपने बीच इस तरह सहज रूप में देखकर विद्यार्थी भी बेहद उत्साहित नजर आए।

"उठो, पढ़ो और बढ़ो', सपना बड़ा हो तो मेहनत भी बड़ी हो'

विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए केवल सपना देखना पर्याप्त नहीं है। सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा- 'उठो, पढ़ो और बढ़ो। उन्होंने कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए समय प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण है। दिनचर्या में पढ़ाई, खेल, रुचि और अन्य गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में गलतियां होना स्वाभाविक है, लेकिन प्रत्येक गलती से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। असफलता से निराश होने के बजाय उसे स्वयं को बेहतर बनाने का अवसर मानना चाहिए।

'विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और खेती पर दिए सुझाव'

कार्यक्रम में सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने भी अपनी बात खुलकर रखी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विद्यार्थियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और खेती को आधुनिक एवं लाभदायक बनाने के उपायों पर अपने विचार साझा किए। एक छात्रा ने ग्रामीण क्षेत्रों में शराबखोरी की समस्या पर चिंता जताते हुए इसे रोकने के लिए जागरूकता और प्रभावी उपायों की जरूरत बताई। वहीं विद्यार्थियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की जांच के लिए आधुनिक जांच मशीनों की उपलब्धता बढ़ाने का सुझाव भी दिया। कलेक्टर श्रीमती यादव ने विद्यार्थियों की बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि युवाओं के विचारों को समझना और उन्हें विकास की प्रक्रिया से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प तभी मजबूत होगा, जब आज की युवा पीढ़ी शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज के प्रति संवेदनशील सोच विकसित करे और आगे चलकर इन क्षेत्रों में बेहतर योगदान दे।

'मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताए चिकित्सा क्षेत्र में करियर के अवसर'

मुख्य अतिथि डॉ. प्रशांत सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर की संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने चिकित्सक, नर्सिंग, पैरामेडिकल सहित स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा और रोजगार के अवसरों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार लक्ष्य निर्धारित करने तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक मेहनत और अध्ययन के बारे में भी मार्गदर्शन दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा